प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ..सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

दया और प्रेम भरे शब्द छोटे हो सकते है, लेकिन वास्तव में उनकी गूंज अनंत होती है। मदर टेरेसा

वर्ष-02, अंक - 49 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 10 सितम्बर 2020 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

जम्मू श्रीनगर राजमार्ग पर हथियारो के साथ बरामद हुआ गोला बारूद, 2 लोग गिरफ्तार

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर जवाहर सुरंग के पास एक ट्रक से हथियार और गोला-बारूद बरामद होने के बाद सुरक्षा बलों ने 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। सेना के एक अधिकारी ने कहा कि, संयुक्त अभियान में कुलगाम जिले में जवाहर सुरंग के पास मंगलवार आधी रात को 2 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। सुरक्षा बलों को 2 मैगजीन के साथ 1 एके राइफल, 3 मैगजीन तथा एक एम 4 यूएस कार्बाइन और 12 मैगजीन के साथ 6 चीन निर्मित बंदूकें बरामद की हैं। उन्होंने बताया कि ट्रक जम्मू क्षेत्र के अखनूर से घाटी आ रहा था।

हजारों रेहड़ी -पटरी वाले व्यवसायियों के मन को छू गए मोदी

भोपाल, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को मध्य प्रदेश के रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों से मुखातिब हुए। कोरोना के कहर में पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (स्वनिधि) के माध्यम से फिर अपने पैरों पर खड़े होने वाले इन छोटे व्यवसायियों से छोटी-छोटी लेकिन भावनात्मक बातें कर पीएम मोदी ने उनके मन को छू लिया। मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बातचीत तो केवल तीन लाभार्थियों से ही की लेकिन उनकी आवाज हजारों रेहड़ी-पटरी वालों तक पहुंची। मोदी ने उन्हें आत्मनिर्भर होने के नुस्खे दिए। उन्होंने वादा किया कि, स्वनिधि योजना से जुड़ने वाले जिन लाभार्थियों को उज्ज्वला, बिजली कनेक्शन, आयुष्मान भारत और बीमा योजना का लाभ नहीं मिल रहा है, उन्हें भी इन योजनाओं से जोड़ा जाएगा। आत्मनिर्भर भारत के लिए स्ट्रीट वेंडर्स का सशक्तीकरण नारे के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मध्यप्रदेश के पटरी-रेहड़ी व्यवसायियों से वर्चुअल माध्यम से करीब एक घंटे तक की चर्चा में घुले-मिले।

पालतू चूहा मारने के शक में कर दी हत्या

इंदौर। पुलिस ने सोमवार को हुए 10 वर्षीय स्कूली छात्रा के हत्याकांड का खुलासा करते हुए एक नाबालिग लड़के को हिरासत में ले लिया। पुलिस के मुताबिक यह कथित हमलावर इस संदेह के कारण लड़की पर आग-बबूला था कि, उसने उसके पालतू चूहे को मार डाला है। डीआईजी हरिनारायणाचारी मिश्रा ने बताया कि, लसूड़िया क्षेत्र में 10 वर्षीय पांचवी कक्षा की छात्रा की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या करने के आरोप में 11 वर्षीय लड़के को हिरासत में लिया गया है।

मिश्रा ने बताया कि, वारदात की वजह को लेकर नाबालिग लड़के से पूछताछ करने पर पता चला है कि, उसे संदेह था कि उसके पालतू चूहे को स्कूली छात्रा ने मार डाला है। इस बात को लेकर सोमवार दोपहर हुए विवाद में लड़के ने छात्रा के सिर पर बड़ा पत्थर मार दिया जिससे सिर पर गहरी चोट लगने के बाद ज्यादा खून बह जाने से छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई, जिसके बाद घबराया लड़का भाग निकला।

कांग्रेस की सरकार में रिंग मास्टर बन भाजपा की सरकार में बन गया खाद्यान्न की कालाबाजारी का सर्कस मास्टर

कांग्रेस का पप्पू पहुंचा जेल में, एडीजे में भी हुई जमानत खारिज

माही की गूंज झाबुआ। संजय भटेवरा

जहां भाजपा सरकार के विरुद्ध भ्रष्टाचार के आरोप कांग्रेस के रहे हैं और भाजपा सरकार कांग्रेस के आरोपों को गलत बताने का प्रयास करती रही है। वहीं कांग्रेस का पूर्व जिला अध्यक्ष पप्पू उर्फसुरेशचंद्र पिता पूरणमल कांग्रेस की सरकार में सहकारी संस्थाओं में खाद्यान्न पहुंचाने एवं ट्रांसपोर्टिंग की शुरुआत कर रिंग मास्टर बन भाजपा की सरकार में अब खाद्यान्न की कालाबाजारी का पप्पू सर्कस मास्टर बन गया है।

भाजपा के दिखाए ट्रेलर के साथ खाद्यान्न की कालाबाजारी करने वाला सर्कस मास्टर पप्पू पहुंचा जेल।

पप्पु के खाद्यान्न को अपनी मिल में खपाने वाले 9 आरोपी मे से 7 आरोपी पहुंचे जेल।

किराए के मकान में रहने वाला पप्पू कांग्रेस की दिग्विजय सिंह सरकार में मेघनगर के सांई चौराहे पर किराए की ऑफिस लेकर सहकारी संस्थाओं में खाद्यान्न सप्लायर की शुरुआत कर कालाबाजारी का रिंग मास्टर बना था व जिले में कई ब्याज खोरो से ब्याज के रुपए लेकर ट्रांसपोर्टिंग के व्यवसाय को बढाने के लिए एक-एक गाड़ी लेकर शुरुआत की। अपनी कालाबाजारी के कारोबार को बढ़ाने के लिए जनपद स्तर से लेकर विधायक व सांसद तक को अपने स्वार्थ को हल करवाने के लिए उन्हें हर तरीके से खुश रखकर उन्हें अपने अधीन किया। वहीं स्थानीय प्रशासन को भी राजनितिक प्रभाव व साठ-गाठ के साथ पुरी तरह से अपने अधिन कर लिया।

हमारी आंखों देखी भी है कि, मेरी जन्म भूमि खवासा में भी पप्पू एक-एक, दो-दो लाख रुपए के लिए स्वयं आकर ऊंचे ब्याज दर पर एक ब्याज से रूपया देने वाले व्यवसायी से रुपया लेने आता था तो, कभी अपने मुलाजिम को भेजकर रूपया मंगवाता था।

खैर, अब वह ब्याज से रुपया देने वाला व्यवसायी गैर महिला से संबंध बनाकर खवासा से चला गया। उस समय ऊंचे ब्याज दर से एक-एक लाख रुपए लेने वाला पप्पू उस समय भी अपनी कालाबाजारी उर्फव्यापारिक बुद्धि के साथ जनप्रतिनिधि को खुश कर, प्रशासनिक अमले को अपने अधीन रखने वाले पप्पू की दास्तान स्वदेखी दिग्विजय सिंह के कार्यकाल में हुए विधानसभा चुनाव के बाद थांदला से विधायक जीतकर आए, मतदाताओं का अभिवादन करने हेतु खवासा क्षेत्र में अपनी पुरानी जीप से निकले थे, वही एक नई बोलेरो में बैठ पप्पू पूरणमल भामल में मतदाता अभिवादन समारोह में शरीक होकर जिस नई बोलेरो में पप्पू बैठकर आया विधायक को सप्रेम भेंट की।

2003 में भले ही सरकार भाजपा की बन गई लेकिन पप्पू को कोई फर्क नहीं पड़ा, उसने सरकार कोई भी हो ओर विधायक भी किसी भी दल का हो और पप्पू भले कांग्रेसी है परंतु अपनी कालाबाजारी के इस व्यवसाय को एक शिखर पर पहुंचाने के लिए अपनी कालाबाजारी एवं व्यापारिक बुद्धिवत्ता के साथ जो भी जनप्रतिनिधि विधान सभा स्तर का बना उसे खुश रखा और प्रशासनिक सांठ-गांठ के साथ भाजपा की सरकार मे पप्पू एक रूपए व फ्री में पात्र व्यक्तियों को मिलने वाला गरीबों के अनाज कि कालाबाजारी कर एक बड़ा ट्रांसपोर्टर बन आज भाजपा की सरकार होते हुए भी कालाबाजारी का एक बड़ा सर्कस मास्टर बन गया।

उपचुनाव वर्सेस उपचुनाव का खेल, शह और मात के खेल में भी सर्कस मास्टर पप्पू की जीत

2018 विधानसभा चुनाव के दौरान स्पेशल टीम ने पप्पू की गाड़ी से बड़ी मात्रा में रुपए जप्त किए थे और सीधा आरोप था कि, यह रुपया झाबुआ विधानसभा चुनाव को प्रभावित करने मे कांग्रेस के उम्मीदवार विक्रांत भूरिया के पक्ष में वोट को खरीदने के लिए यह रुपया जा रहा था। वहीं उक्त रुपए जप्ती के साथ चुनाव में कांग्रेस के दिग्गज कांतिलाल भूरिया के पुत्र विक्रांत भूरिया के राजनीतिक करियर पर ग्रहण लग हार का सामना कर भाजपा में नव नवले आए गुमान सिंह डामोर को जीत मिली पर अस्थिर सरकार के रूप में कमलनाथ की कांग्रेस सरकार बनी।

झाबुआ विधायक गुमान सिंह को सांसद बनने के बाद झाबुआ विधानसभा की खाली हुई सीट पर उपचुनाव में कांग्रेस के दिग्गज नेता कांतिलाल भूरिया को टिकिट देकर भाजपा के उम्मीद्वार भानु भूरिया से किसी भी स्तर पर जाना पड़े तो कांग्रेस अपनी सरकार के बलबूते पर जाए और जीत दिलाए के निर्देश कमलनाथ से मिलने पर सर्वप्रथम स्थानीय कांग्रेसी गुटबाजी को खत्म कर कांग्रेस ने हर तरीके की साम, दाम, दंड, भेद की नीति अपनाकर कमलनाथ की सरकार में रहे गृह मंत्री से लेकर अन्य मंत्री व दिग्गजों को उप चुनाव की जवाबदारी देकर चुनाव को जीत लिया, लेकिन उक्त उपचुनाव में जमीनी स्तर के जो भाजपा नेता व क्षेत्रीय कार्यकर्ता थे उन्हें सत्ता का पावर क्या होता है यह महसूस उन कार्यकर्ताओं के साथ प्रदेश की भाजपाई राजनीति में बड़ी पकड़ रखने वाले इंदौर विधायक रमेश मन्दोला को भी दिखाकर मात देने में कोई कसर नहीं छोड़ी, यह कह सकते हैं कि, सरकार का भय व उसका पावर क्या होता है, यह कमलनाथ ने जमीनी नेताओं को बताकर जो स्थिति पैदा की है वो शायद अब आने वाले समय में उप चुनाव के दौरान स्थानीय एवं जमीनी नेताओं के बीच भयावह स्थिति के रूप में देखने को मिल सकती है।

वही ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं उनके समर्थित विधायकों के भाजपा में आने के बाद शिवराज की भाजपा की अस्थिर सरकार बनी हुई है, चुकी कांग्रेसी से भाजपा में आए विधायक जो शिवराज सरकार में विधायक ना होकर भी मंत्री है वो कांग्रेस सरकार की नीति व रीती को अच्छी तरह से जानते हैं।

खासकर अगर बात करें तो झाबुआ जिले से सटी बदनावर विधानसभा का भी उपचुनाव होना है और अगर भाजपा ने कांग्रेस को अपना टेऊलर नहीं दिखाया तो उसको चुनाव में पप्पू जैसे सर्कस मास्टर कांग्रेसी विधायकों को चुनाव में आर्थिक रूप से सहयोग करेंगे और उसका हर्जाना भाजपा के उम्मीदवारों को हार के रूप में भुगतना पड़ सकता है।

एक दिन में ही सभी जांच के साथ हो गई कार्यवाही और कार्यवाही का पता तक नहीं लगा

इसी तारतम्य में भाजपा सरकार में बना खाद्यान्न की कालाबाजारी का सर्कस मास्टर पप्पू किसी भी तरह से उपचुनाव में कांग्रेसियो को मदद न कर सके की नियत के साथ की जा रही कार्यवाही को माना जा रहा है। पप्पू को शिवराज सरकार का एक टेऊलर बताने के रूप में शनिवार और सोमवार को ऐसी नाटकीय रूप से कार्यवाही की गई कि, भाजपा कह सके हमने कालाबाजारीयो के विरुद्ध कार्यवाही की है और कांग्रेसी को नसीहत लग जाए और उपचुनाव में भाजपा के विरुद्ध कोई कांग्रेसियों की मदद की तो तुम्हारा कारोबार भाजपा भी नस्तो नाबूद कर सकती है, की नियत व सोच के साथ शनिवार को पेटलावद में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी द्वारा एक शिकायत आवेदन थाने पर दिया गया, जिसमें दर्शाया गया कि, शाखा प्रबंधक मध्यप्रदेश वेयरहाउस एवं लॉजिस्टिक कारपोरेशन नागरिक आपूर्ति निगम पेटलावद के मुकेश परमार, केंद्र प्रभारी अधिकारी नागरिक आपूर्ति निगम पेटलावद के किशोर मेहता व परिवहनकर्ता फर्म के मालिक सुरेशचंद्र जैन के विरुद्ध सार्वजनिक वितरण प्रणाली अधिनियम 2015 के कंडिका 11/3 का उल्लंघन कर वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3,7 के तहत कालाबाजारी का अपराध किया जा रहा है। वही पुलिस भी अपनी कार्यवाही प्रस्तुत कर बता रही है कि, शिकायत पर त्वरित कार्यवाही करते हुए उक्त तीनों आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 363/2020 धारा 409 भादवी एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1995 की धारा 3,7 का पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लेकर उसी दिन शनिवार को आरोपी की तलाश की जाकर दो आरोपी खाद्यान्न कालाबाजारी का भाजपा में बना सर्कस मास्टर सुरेशचंद्र पिता पूरणमल जैन निवासी साईं चौराहा मेघनगर, मुकेश पिता नानजी परमार कल्याणपुरा हाल मुकाम मेघनगर को गिरफ्तार कर मान्य न्यायालय में भी पेश कर दिया, जिनकी न्यायालय ने जमानत खारिज कर जेल भेज दिया। वही किशोर मेहता की तलाश की जा रही है।

शेष पृष्ठ 3 पर देखें...

नाबालिक से गैंगरेप कर पानी में डुबो कर की निर्मम हत्या, पुलिस ने 24 घण्टे में आरोपियों को पकड़ा

6 घंटे में दो आरोपी पुलिस गिरफ्त से ही हुए फरार, एक -एक कर फिर पुलिस ने दबोचा

माही की गूंज, रतलाम।

जिले के बिलपांक थाना क्षेत्र के ग्राम भेरुपाडा में एक बालिका के साथ हेवानियत के पुजारीयो ने गैंग रैप करने के बाद नाबालिक को पानी में डुबो-डुबो कर मार डाला था। इस निर्मम घटना को अंजाम देने वाले तीनो आरोपी 21 से 23 वर्ष की आयु के होकर आपस में रिश्तेदार है। गैंग रेप काण्ड में उक्त खुलासा पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी ने प्रेस वार्ता के दौरान किया।

मामले को त्वरित ढंग से सुलझाने वाली पुलिस टीम को दस हजार रुपए का नगद पुरस्कार देने की घोषणा भी की गई। एसपी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान एसपी श्री तिवारी ने बताया कि, शनिवार शाम को किराना का सामान लेने गई 12 वर्षिय बालिका का शव रविवार सुबह मिलने के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष टीम का गठन किया गया था, टीम ने सूक्ष्मता से मामले की जांच की। सुचना के आधार पर पुलिस ने तीन संदिग्ध युवकों को शराब पीते हुए देखा गया था और बालिका के अपहरण के बाद से उक्त तीनों युवक गायब हो गए। मृत बालिका किराना दुकान से चाय पत्ती, शक्कर इत्यादि खरीद कर निकली थी और लापता हो गई थी। घटनास्थल के आसपास की बारीकी से जांच करने पर किराना दुकान से कुछ ही दूरी पर झाडियों में किराना सामान फेंका हुआ नजर आ गया था। इससे भी बालिका के साथ कुछ गलत होने की आशंका उत्पन्न हो गई थी। पुलिस ने संदिग्ध युवकों को रात में ही गांव के बाहर एक खेत में से पकड लिया था। संदिग्ध युवकों से जब कडी पूछताछ की गई तो, सारे घटनाक्रम पर से परदा हट गया। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि, वे शराब पीकर आए थे और उन्होने किराना दुकान से घर जाने के दौरान बालिका का अपहरण कर लिया। बालिका को गांव के बाहर ले जाकर तीनों आरोपियों ने बारी-बारी उसके साथ दुष्कृत्य किया और बाद में बालिका को पास के एक पानी से भरे गड्ढे में डुबो-डुबो कर मार दिया। बालिका की हत्या के बाद आरोपियों ने उसकी लाश मक्का के एक खेत में फेंक दी। एसपी गौरव तिवारी ने बताया कि, पकडे गए आरोपियों के नाम कालू पिता चैनसिंह निनामा, दिपला उर्फदीपक पिता नाहर सिंह और रवि पिता रामसिंह निनामा है, जो आपस में चचेरे भाई होकर ग्राम गुजरपाडा के निवासी है।

हिरासत से भाग निकले थे दो आरोपी, पुलिस ने फिर से धर दबोचा

गैंग रेप और हत्या के आरोपियों की अधिकारिक तौर पर गिरफ्तारी के बाद शाम को जिला चिकित्सालय में उनके डीएनए के सैम्पल्स लिए गए थे। इसके बाद उन्हे पुलिस रिमाण्ड पर बिलपांक थाने ले जाया गया था। शाम को आरोपियों को भोजन कराने के लिए उनकी हथकडियां खोली गई थी, उसी दौरान पुलिस की लापरवाही के साथ तीन में से दो आरोपी दिपला और रवि थाने से फरार हो गए। गंभीर अपराध के आरोपियों के फरार होने से पुलिस विभाग में हडकम्प मच गया और फरार मुलजिमों की तलाश में भारी पुलिस बल जुट गया।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस अभिरक्षा से फरार हुए दो आरोपी के बाद आम जनता का पुलिस के प्रति गुस्सा फुटने लग गया, नाबालिक के दुष्कर्म एवं हत्या के अपराध में फरार आरोपियों की सूचना गिरफ्तारी पर ताबड़तोड़ में 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित कर दिया और पुलिस मुस्तेदी दिखाते हुए एक -एक कर दोनों आरोपियों रवि निनामा व दिपला को गिरफ्तार कर लिया। वहीं अभी तक जिन पुलिस कर्मियों की लापरवाही से हेवानियत के पुजारी पुलिस की गिरफ्त से भागे थे उनके विरूद्ध अभी तक कोई कार्रवाई नही हुई है।

रिया चक्रवर्ती को मुंबई के भायखला जेल भेजा

मुम्बई, एजेंसी। सुशांत सिंह राजपूत मामले के ड्रग्स एंगल की जांच के दौरान मंगलवार को गिरफ्तार एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को बुधवार सुबह मुंबई के भायखला जेल ले जाया गया। ड्रग्स के आरोप में रिया की गिरफ्तारी की गई है, मंगलवार रात वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये हुई सुनवाई में मजिस्ट्रेट ने रिया की जमानत याचिका को खारिज कर दिया था और उन्हें 14 दिन तक जेल में भेजने का आदेश दिया था, रिया की मंगलवार की रात नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के ऑफिस में गुजरी।

भायखला जेल मुंबई में महिलाओं के लिए एकमात्र जेल हैं और यहां इस समय शीना बोरा मर्डर मामले की आरोपी इंद्राणी मुखर्जी और सामाजिक कार्यकर्ता सुधा भारद्वाज सहित कई हाईप्रोफाइल कैदियों को रखा गया है, सुधा भारद्वाज को भीमा कोरेगांव मामले में गिरफ्तार किया गया है। रिया पर अपने बॉयफ्रेंड सुशांत सिंह राजपूत के लिए ड्रग का इंतजाम करने का आरोप है। कोर्ट के पेपर्स में रिया के ड्रग्स लेने का कोई जिक्र नहीं है, इन आरोपों को लेकर रिया को 10 साल तक की जेल का सामना करना पड़ सकता है।

रिया और उसके भाई शोविक चक्रवर्ती पर सुशांत के कर्मचारी सैमुअल मिरांड और दीपेश सावंत की मदद से ड्रग्स का इंतजाम करने का आरोप है, सैमुअल और दीपक कथित तौर पर ड्रग डीलरों के संपर्क में थे।रिया चक्रवर्ती की गिरफ्तारी पर बिहार के डीजीपी गुप्तेश्वर पांडेय ने कहा लोग जितने मासूम दिखते हैं, उतने होते नहीं है।

पीएम किसान सम्मान निधी मे 110 करोड़ रूपए का घोटाला, 18 अरेस्ट, 80 अधिकारी हटाए गए

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में 110 करोड़ का घोटाला सामने आया है। सरकारी अफसरों ने स्थानीय नेताओं की मदद से ऑनलाइन धोखधड़ी के जरिए इस घोटाले को अंजाम दिया गया है। शुरुआती आकलन के मुताबिक कोरोना वायरस के फैलने के बाद लगभग साढे पांच लाख लोगों को इस लिस्ट में जोड़ा गया, जिसमें बड़ी संख्या में अपात्र लोग थे। कोरोना के कारण लॉकडाउन होने के बाद सरकार ने स्कीम के अंतर्गत क्लीयरेंस नार्मस में कुछ छूट प्रदान की थी, जिसका फायदा उठाकर यह घोटाला किया गया।

उक्त घोटाले में प्रिंसिपल सेक्रेट्री गगनदीप सिंह बेदी ने कहा कि, अगस्त में बड़ी संख्या में अपात्र लोगों के स्कीम का फायदा उठाने का मामला सामने आया था। दरअसल अगस्त महीने में प्रधानमंत्री किसान योजना के अचानक 45 लाख लाभार्थी हो गए जो मार्च 2020 में 39 लाख थे। इस मामले में 18 एजेंटों को गिरफ्तार कर लिया गया है। किसानों से संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े 80 अधिकारियों को हटा दिया गया है, जबकि 34 अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। निलंबित अफसरों में कृषि विभाग के तीन असिस्टेंट डायरेक्टर भी शामिल है।

घोटाले के 110 करोड़ रूपयों में से 32 करोड़ रूपए दोबारा प्राप्त कर लिए गए हैं। ज्यादातर राशि सीधे बैंक अकाउंट से वापस की गई है। सरकार ने अगले 40 दिनों में बची हुई राशि की वापसी की उम्मीद भी जताई है। गगनदीप सिंह बेदी ने कहा, अभी इस मामले में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इस मामले में कंप्यूटर सेंटर्स के माध्यम से एक क्राइम सिंडिकेट चल रहा था, दलालों ने लोगों से जानकारियां लेकर उन्हें अफसरों से प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत अप्रूव करा लिया।

गूंज की पहल के बाद

आखिर अधिकारियों को कलम चलाने पर होना पड़ा मजबूर

बरवेट सरपंच ओर दो पूर्व सचिव से वसुली का प्रतिवेदन जिले में भेजा

धारा 40 का नोटिस दिखावे का, आज तक कोई नही गया जेल, भ्रष्ट उपयंत्री अहिरवार खुद जांच दल में शामिल इसलिए बच गया

माही की गूंज पेटलावद। राकेश गेहलोत

माही की गूंज में ग्राम पंचायत में हो रहे भ्रष्टाचार के लगातार खुलासों के बाद अब अधिकारी अपनी गर्दन बचाने के लिए हरकत में आते दिख रहे है, लेकिन जो कार्रवाई की शुरुआत हुई है वो केवल दिखावे मात्र की हैं, उसमें भी भ्रष्टो को बचाने का काम किया जा रहा है। जनपत पंचायत पेटलावद के सीईओ एनएस सोलंकी कहने को तो अधिकारी है, लेकिन जब भ्रष्टो पर कार्रवाई करने की बात आती है तो पल्ला झाड़ कर गेंद जिला सीईओ के पाले में डाल देते है। जब किसी पंचायत पर कार्यवाही का सवाल किया जाता है तो, जनपत सीईओ एक ही जबाब देते हैं, हम सिर्फप्रतिवेदन बना कर जिले में भेज सकते हैं कार्रवाई करने का अधिकार जिला अधिकारी के पास है, बोल कर अपने काम की इतिश्री कर लेते हैं।

6 माह बाद बरवेट सरपंच ओर पूर्व सचिव पर कार्रवाई का प्रतिवेदन पर कार्यवाही नही

विकास खण्ड पेटलावद की ग्राम पंचायत बरवेट के ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत में हो रही भारी अनियमित्ता ओर भ्रष्टाचार सहित मजदूरों की मजदूरी के भुगतान नही होने के सम्बंध में लगभग 17 बिंदुओं पर लिखित शिकायत की गई, गूंज द्वारा पूरे मामले को सिलसिलेवार प्रकाशित किया, जिसके बाद जिला सीईओ द्वारा टीम गठित कर बरवेट ग्राम पंचायत की जांच की लेकिन पूरा मामला दबा दिया और कोई कार्यवाही नही, जबकि जाँच दल को पंचायत में भारी अनियमित्ता मिली। अब 6 माह बाद जनपद पंचायत द्वारा ग्राम प्रधान पर धारा 40 के तहत कार्रवाई करने के लिए प्रतिवेदन जिले में भेजा गया साथ ही पूर्व सरपंच अनोख़िलाल सिंगाड, गेंदालाल वसुनिया और मांगीलाल गरवाल से अधूरे निर्माण के 80 हजार रुपए की वसुली हेतु अनुशंसा की गई। ग्राम पंचायत के दुर्गादास राठौर ने बताया कि, 6 माह बाद जनपत से भ्रष्टो पर कार्रवाई के नाम पर नाममात्र दिखावा किया जाता है। जबकि हमारे द्वारा कई बिंदुओं पर शिकायत कि, जो जॉच में भी सही पाई गई थी, लेकिन मामला रफा-दफा कर दिया गया, अभी जिले में प्रतिवेदन भेजा गया है, वहां से भी कोई कार्यवाही होगी या नही होगी और होगी तो कब होगी उसका कोई अता-पता नही है।

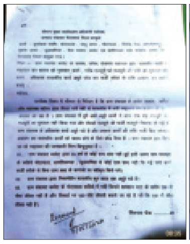

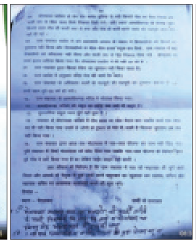

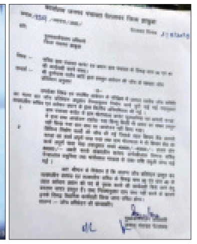

उपयंत्री और रोजगार सहायक पर कोई कार्रवाई नही

पूरे मामले में की जा रही कार्रवाई में अधिकारियों की मंशा पर सवाल खड़ा होना लाजमी है, अब तक की गई कई कार्यवाही में सेटिंग साफदिखती है, क्योकि कार्य के फर्जी मूल्यांकन करने वाले उपयंत्री अहिरवार और फर्जी मजदूरों को भुगतान कर फर्जी मस्टर भरने वाले रोजगार सहायक जवरसिह डामर पर किसी प्रकार की कार्यवाही करने की अनुशंसा नही की गई है। जबकि ग्रामीणों ने शिकायत में स्पष्ट फर्जी मूल्यांकन, फर्जी मजदूरी ओर बकाया भुगतान नही करने की शिकायत की थी, शिकायतकर्ता नाथू डामर, विनोद मैड़ा और भेरू परमार ने बताया कि, यदि भ्रष्टो पर कार्यवाही नही होती तो हम कलेक्टर झाबुआ को आवेंदन देकर कार्यवाही की मांग करेंगे।

कलेक्टर ने रंगपुरा में बनने वाले वृद्धा आश्रम का लिया जायजा

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर रोहित सिंह द्वारा मंगलवार को लोक निर्माण विभाग पीआईयू द्वारा झाबुआ में स्थित रंगपुरा में 3 करोड़ 19 लाख रूपए की लागत से बनने वाले वृद्धा आश्रम का जायजा लिया। इस वृद्धा आश्रम की क्षमता 50 सीटर की है। यह भवन फरवरी 2021 में बनकर तैयार हो जाएगा। सिंह ने इस भवन में रेम्प निर्माण व अन्य जानकारी प्राप्त की। सिंह ने संभागीय यंत्री को निर्देश दिए हैं कि इस भवन का निर्माण कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें ताकि इसका लाभ वृद्धजनों को मिल सकें।

सिंह ने इसके पहले रंगपुरा में सामाजिक न्याय विभाग द्वारा संचालित जिला विक्लांग पुनर्वास केन्द्र का अवलोकन किया। इस दौरान प्रोस्थेटिक, ऑर्थोटिक कार्यशाला, बहुउद्देश्यीय पुनर्वास तथा प्रशिक्षण इकाई, भौतिक चिकित्सा इकाई, अनुभूति-पेयजल रसोई घर का अवलोकन किया और आवश्यक जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर सिंह को जिला विक्लांग पुनर्वास केन्द्र के प्रभारी शेलेन्द्र राठौर ने जिला पुनर्वास केन्द्र की सम्पूर्ण जानकारी दी। सिंह ने शिक्षा विभाग द्वारा संचालित जिला पुस्तकालय का अवलोकन किया और पुस्तकालय में रखी पुस्तकों और समाचार पत्रों के संबंध में आवश्यक जानकारी प्राप्त की। जिला शिक्षा अधिकारों को निर्देश दिए कि अतिथियों का स्वागत में गुलदस्ते के स्थान पर कोई भी ज्ञानवधर्क पुस्तक भेंट करने की परम्परा शुरू की जाए। साथ ही इस लाईब्रेरी में अलमारियों की नम्बरिंग करने और कौन सी पुस्तक कहां रखी गई है। इसका उल्लेख भी रजिस्टर में सूचीबद्ध किया जाए ताकि पाठकों को पुस्तकें ढूढ़ने में और अधिक आसान हो सकें। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए है कि जिला पुस्तकालय में पत्रिकाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिससे पाठकों द्वारा इस पुस्तकालय का अधिक से अधिक लाभ उठा सकें। इस अवसर पर संभागीय परियोजना यंत्री पीआईयू झाबुआ नरेन्द्रसिंह मण्डलोई, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिनेश वर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी मेहरबान सिंह सोलंकी, जिला परियोजना समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान एलएन प्रजापति सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

खच्चरटोडी सरंपच-सचिव की तानाशाही से ग्रामीण परेशान

माही की गूंज खच्चरटोडी। विकास साबलिया

मेघनगर जनपद के अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खच्चरटोडी के सरपंच-सचिव की तानाशाही के चलते ग्रामीणजन बेहद परेशान हो गए है। पंचायत में सचिव पद पर अतिरिक्त प्रभार के रुप में पदस्थ किशोर कटारा की नियुक्ति मार्च 2020 में हुई थी, तब से लेकर आज तक इनके द्वारा जमकर भ्रष्टाचार एवं अनियनिताएं की जा रही है, पंचायत कार्यालय भी नही खोला जा रहा है, इसके विपरित सरपंच के घर से पंचायत संचालित की जा रही है। ग्रामीणों को किसी भी काम के लिये पंचायत कार्यालय की बयाज सरपंच के घर जाना पड़ता है। पंचायत के विकास कार्यो मे भी सरपंच सचिव के द्वारा जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। इसके अलावा इस वर्ष फत्ताटोडी से खमतलाई तालाब तक पंचायत द्वारा बनाई गई सुदुर सड़क के हाल भी बैहाल है। बारिश मे पुरी सड़क कीचड़ मे तब्दील हो गई। ग्रामवासीयों ने इस सड़क पर खुद के खर्च पर गिट्टी डलवाई।

सचिव को हटाने के लिए दिया आवेदन

ग्रामीणों ने कुछ दिनों पहले सचिव किशोर कटारा को हटाने के लिये अगस्त में जनपद सीईओ को आवेदन दिया। इसके अलावा वार्ड क्र. 6, 7, 8 के पंचो ने भी सचिव को हटाने की मांग की, लेकिन सरपंच नही चाहते की उनके चहेते सचिव पंचायत से हटे। सीईओ पर दबाब बना रहे की वे सचिव को नही हटाये। ग्रामाणों का कहना कि, जिस सरपंच को पंचायत चुनाव में तीन तिहाई वोटो से हमने जिताया वही सरपंच आज चहेते सचिव कटारा के साथ भ्रष्टाचार की खुली दुकान चलाने के लिये सचिव को नही हटने दे रहे है, लेकिन हम जनता है साहब, हिसाब करना भी जानते है, कुर्सी पर बिठा सकते है तो उतार भी सकते है। इसके अलावा सचिव ने पंचायत मे हो रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले युवक को डराने धमकाने के लिये चोकी रंभापुर में एफआईआर दर्ज कराने का एक आवेदन टाईप कराकर डराया धमकाया की हमारा भ्रष्टाचार उजागर करेगा तो, तेरा पंचायत का कोई काम नही करेगें ओर झुठे केस में फसाकर जेल भिजवा देगे।

सड़क पर बह रहा गंदा पानी बना मुसीबत

पंचायत के जागीर हल्के के लोहारटोडी गांव से होकर अन्य गांवों मे जाने के एकमात्र रास्ते पर पंचायत की अनदेखी के कारण घरों का गंदा पानी इस रास्ते पर करीबन दो वर्ष से बह रहा है। ग्रामीण लम्बे समय से इस समस्या के समाधान के लिये सरपंच-सचिव एंव जनपद सीईओ से गुहार लगा रहे है। गूंज ने मार्च माह में इस समस्या को अखबार में प्रकाशित कर अधिकारियों को अवगत कराया था, इसके बाद 4 अप्रेल को जनपद सीईओ ने सरपंच-सचिव पर कारण बताओ नोटिस जारी किया एंव गंदे पानी की निकासी के सम्बंध में तीन दिन में उचित समाधान करने को कहा। लेकिन कई माह के बाद भी गंदा पानी रास्ते पर जा रहा है। पंचायत के सरपंच सचिव ने कारण बताओ सुचना पत्र को मात्र एक कोरा कागज ही समझा, न ही जनपद सीईओ ने इसके बाद कोई कार्रवाई की। ग्रामीणों का इस रास्ते से पैदल निकलना भी मुश्किल है। बता दे की सचिव महोदय भी इसी रास्ते से होकर जाते है।

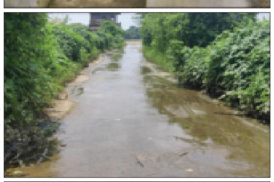

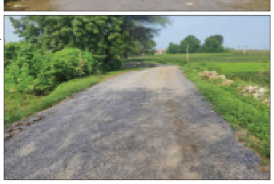

शत्रुंजय नदी पर सी-प्लेन प्रोजेक्ट लागू करने का जैन समाज कर रहा विरोध

माही की गूंज,झाबुआ। देश के प्रसिद्ध शत्रुंजय तीर्थ स्थित नदी पर गुजरात सरकार द्वारा सी-प्लेन प्रोजेक्ट लागू किया जा रहा है। जिसका संपूर्ण देश में जैन समाज द्वारा उग्र विरोध किया जा रहा है। जैन समाजजनों का मानना है कि इससे काफी हद तक शत्रुंजय का नुकसान होगा। जिसका आने वाले समय में अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता है। श्वेतांबर जैन श्री संघ झाबुआ के सहसचिव रिंकू रूनवाल ने बताया कि शत्रुंजय तीर्थ, जो गुजरात के भावनगर जिले में आता है। वहां की सरकार द्वारा सी-प्लेन प्रोजेक्ट के तहत टूरिज्म को बूस्ट करने के किया जा रहा है। शंत्रुजय नदी पर टूरिज्म बनने पर काफी नुकसान होगा।

झाबुआ में सकल जैन श्वेतांबर समाज ने भी इसका विरोध किया है। श्वेतांबर जैन श्रीसंघ के वरिष्ठ आनंदीलाल संघवी, बाबुलाल कोठारी, धर्मचन्द मेहता, राजेन्द्र मेहता, निर्मल मेहता, मनोहरलाल भंडारी, यशवंत भंडारी, संजय कांठी, संजय मेहता, प्रदीप कटारिया, राजेन्द्र रूनवाल तथा सुभाष कोठारी, मुकेष जैन, अंतिम जैन, डॉ. प्रदीप संघवी, पंकज मेहता, स्थानकवासी श्रीसंघ से अध्यक्ष प्रदीप रूनवाल, कनकमल कटकानी, पूर्वेश कटारिया, पंकज कोठारी, पियूष गादिया, कैलाशचन्द्र श्रीमाल, मगनलाल गादिया आदि ने इस प्रोजेक्ट का विरोध करते हुए गुजरात सरकार तथा केंद्र सरकार से मांग की है कि इसे रोका जाए।

खबर के बाद प्रधान और सचिव ने भ्रष्टाचार छुपाने रोड निर्माण के नाम पर डलवा दी गिट्टी

एक नही कई रोडो के लाखों डकार गई पंचायत

जिला झाबुआ
जनपद पंचायत, पेटलावद , कचराखदान
गाँव दलपुरा
स्वीकृति एजेंसी : जिला पंचायत सीईओ
कार्य का प्रकार : सी.सी. सड़क निर्माण
स्वीकृति राशि : ₹ 523200.00 स्वीकृति: 26/05/2017
कार्य : सीसी रोड निर्माण टिटिया सलिया के घर से भुरजी गल्ला के घर तक

जिला झाबुआ
जनपद पंचायत, पेटलावद , कचराखदान
गाँव दलपुरा
स्वीकृति एजेंसी : जिला पंचायत सीईओ
कार्य का प्रकार : सी.सी. सड़क निर्माण
स्वीकृति राशि : ₹ 180000.00 स्वीकृति: 26/05/2017
कार्य : सीसी रोड निर्माण नंदू सड़िया के घर से पुंजा सुरजी के मकान तक

माही की गूंज, पेटलावद।

विकास खण्ड की ग्राम पंचायत कचराखदान खदान में पंच परमेश्वर योजना में हुए भ्रष्टाचार की खबर लगते ही ग्राम पंचायत का प्रधान और सचिव ने अपने दूसरे भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने के लिए आनन-फानन में दूसरे रोडो के आसपास निर्माण के लिए गिट्टी डाल दी, ग्राम पंचायत कचराखदान में एक नही कई ऐसे रोड होने की जानकारी मिली है, जिनका निर्माण 2017 में ही हो जाना था, लेकिन चार साल बाद भी रोडो का निर्माण नही हुआ और राशि आहरण कर ली गई। ऑनलाइन पोर्टल से जब ग्राम पंचायत के गलिया डोडियार द्वारा जानकारी निकाली गई तो ग्राम पंचायत का काला चिट्ठा सामने आ गया। ग्राम पंचायत कचराखदान के अंतर्गत दलपुरा गाँव मे बनने वाली टिटिया सलिया के घर से भुरजी गल्ला के घर तक सीसी रोड लागत 5 लाख 23 हजार 2 सौ का रोड़ 26 मई .2017 को स्वीकृत हुवा था, लेकिन आज दिनांक तक रोड नही बना। ग्राम पंचायत ने पूरी की पूरी राशि आहरण कर ली, ऐसा पंचायत में एक मामला नही ग्राम दलपुरा में ही नन्दू सडिया के घर से पुंजा सुरजी के घर तक बनने वाला 1 लाख 80 हजार का सीसी रोड भी बाकी रोड की तरह बिना बनाए, फर्जी बिल लगाकर राशि निकाल ली, सरकार यदि ग्राम पंचायत के कार्यो में पारदर्शिता लाने के लिए पोर्टल पर जानकारी उपलब्ध नही करवाती तो पंचायत के भारी भ्रष्टाचार का खुलासा नही होता। कचराखदान निवासी गलिया डोडियार ने बताया कि, ग्राम पंचायत में केवल ये ही नही कई ऐसे रोड ओर निर्माण कार्य है, जिनको बिना बनाए ही राशि निकाल ली गई है। गूंज द्वारा अब तक कई ग्राम पंचायतो के खुलासे किए जा चुके है, पर अधिकारियों की नींद नही खुल रही और मामलो को रफा-दफा कर आफदी रेकॉर्ड किए गए भ्रष्टाचार को दबाया जा रहा है। मामले में जिला सीईओ सिद्धार्थ जैन से बात की तो उनका कहना है मामला मेरी जानकारी में नही है, आप मुझे पर्सनल नम्बर पर खबर भेज दे मैं प्राथमिता से मामले की जाँच करवाता हुं।

विधायक ने खेतों में जाकर बर्बाद हुई फसलों का औचक निरीक्षण किया

माही की गूंज, झाबुआ।

विधायक कांतिलाल भूरिया ने मंगलवार को कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ झाबुआ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत झाबुआ, राणापुर तथा कुन्दनपुर क्षेत्र के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर अतिवर्षा तथा कीट लगने से बर्बाद हुई खरीफ फसलों का खेतों में जाकर मुआयना किया। भूरिया ने झाबुआ, राणापुर ब्लॉक के अन्तर्गत आने वाले दर्जनों गांवों में जाकर खराब हुई फसलों को देखा और पाया कि अत्यधिक बारिश के कारण तथा किट लगने से किसानों की फसल नष्ट हो गई है। मक्का, सोयाबीन, मूंग, उड़द आदि फसलों में दाने नहीं पाए है। उन्होंने प्रशासन के अधिकारीयों को निर्देश देते हुए कहा कि बर्बाद हुई फसलों का जल्द से जल्द सर्वे कराकर इसकी रिपोर्ट तुरंत प्रशासन को सौंपें। ताकि किसानों को बर्बाद हुई फसलों का समय पर मुआवजा मिल सके। विधायक भूरिया ने झाबुआ तथा राणापुर क्षेत्र के गांव कालापिपल, डुमपाड़ा, मलवान, छोटी ढेकल, गवसर, दोतड़, कालापान, काकरादरा, भांडाखेड़ा, नाहरपुरा, कंजावानी, रूपाखेड़ा छागोला, समोई, मोरडुंडिया आदि ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर बर्बाद फसलों का निरीक्षण किया तथा किसानों से रूबरू हुए। इस अवसर पर जिला कांग्रेस पदाधिकारी मानसिंह मेड़ा, विजय भाबोर, नेहालचन्द पडियार, केहू भाई काकरादरा, बाबू भाई लम्बेला, अकलेश सरपंच रेता, दरियाव मेड़ा सुरड़िया, दरियाव सिंगाड़ गलती, जय मुणिया आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी जिला कांग्रेस प्रवक्ता हर्ष भट्ट ने दी।

विधायक ने खेतों में पहुंचकर फसलों का किया निरीक्षण।

8 वर्ष पूर्व बेतूल जिले के युवक से हुआ प्रेम, युवक ने युवती को पत्नी बनाकर रखा, अब युवक हो गया रफू-चक्कर

माही की गूंज, खवासा।

खवासा चौकी अंतर्गत नरसिंगपाड़ा ग्राम पंचायत के ग्राम तेजपुरा में माल परिवार की एक लड़की खवासा में 8 वर्ष पूर्व 11वीं क्लास में पढ़ रही थी कि परीक्षा के बाद 2 माह की छुट्टियों में मजदूरी करने हेतु सुजालपुर गई थी, जहां मजदूरी के दौरान उसकी मुलाकात बेतूल जिले की तहसील आमला खेड़ावाला के ग्राम बिसखान के रहने वाले भादा कुमार धुर्वे जो सेंटिंग का कार्य कर मिस्त्री व ठेकेदारी का कार्य करता है से मुलाकात हुई और उन 2 महीनों में, दोनों के बीच आंखों ही आंखों में प्रेम हो गया और दोनों ने पति-पत्नी के रूप में रहने का निर्णय कर अपने-अपने परिवारों को सूचना देकर बता दिया कि, हम दोनों में प्रेम होकर पति-पत्नी के रूप में हमारा जीवन यापन करेंगे। जिस पर लड़की के परिवार ने भी बिना किसी आपत्ती के व जिले में चल रही आदिवासी दहेज-धापा के बिना ही अपनी सहमति दे दी। दोनों युगल सुजालपुर से भोपाल के वार्ड क्रमांक 18, बैरागढ़ चीचली धोली खदान कोलार रोड पर स्थित 3196 मकान नंबर में किराए के मकान में 4-5 वर्ष वहां रह कर सेंटिंग व मिस्त्री ठेकेदारी के साथ मजदूरी कर वहां रहे। इसी बीच 21 जून 2013 को भादा की पत्नी ने उसकी एक पुत्री को जन्म दिया।

भोपाल में 4 वर्ष कार्य करने के बाद भादा का उज्जैन के किसी कंस्ट्रक्शन के ठेकेदार से संपर्क हुआ तो इसके बाद दोनों पति-पत्नी की रजामंदी से खवासा की गोपाल कॉलोनी में आकर दोनों पति-पत्नी रहने लगे। तो वही खवासा से ही अपनी सेंटिंग एवं मिस्त्री ठेकेदारी का कार्य करने हेतु उज्जैन जाकर भादा अपना कार्य करता था और तीन-चार वर्षो तक कुछ दिन उज्जैन तो कुछ दिन खवासा अपनी पत्नी व बेटी के साथ रहता था, लेकिन लॉकडाउन के पूर्व फरवरी माह में उसके घर बेतूल जिले में उनके घर परिवार में कोई काम है कहकर वह उसके गांव परिवार के पास गया था, रास्ते में एक छोटा एक्सीडेंट होना भी उसकी पत्नी को खवासा में फोन कर बताया, साथ ही दुर्घटना में मोबाइल खराब हो जाना बताया। जिसके बाद भादा के मोबाइल नंबर 7354702773 व 9131386715 पर कभी बात नहीं हुई, परंतु भादा ने उसके भाई लक्ष्मण धुर्वे का मोबाइल नंबर 7828091674 दिया था, जिसपर बात होती थी तो 1 माह पूर्व तक भादा काम निपटाकर आज आ रहा हूं, कल आ रहा हूं, कहता रहा, परंतु 1 माह पूर्व से लक्ष्मण ने भादा से बात नहीं करवाई और कहता है भादा कहीं बाहर काम के लिए गया है, कहां गया यह नहीं पता, न हीं मुझे उसके कोई नए मोबाइल नंबर दे रहा है, जिससे उसकी पत्नी की बात हो सके।

भादा की पत्नी ने गूंज कार्यालय में आकर बताया, भादा व उसका परिवार कहीं न कहीं लगता है मुझे व मेरी बेटी के साथ धोखाधड़ी कर रहा है, कभी मुझे 1 महीने से काम पर गया है कहता है तो कभी लक्ष्मण कहता है आठ-दस दिन से काम पर गया है, यहां तक की अब लक्ष्मण ने मेरा मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दिया है। महिला ने बताया कि, मुझे लगता है कि, वह मुझे धोखा देकर रफू-चक्कर हुआ है। वही महिला ने निर्णय लेकर बताया कि, अगर समाचार प्रकाशित होने के तीन-चार दिन में भी भादा नहीं आया तो मैं उसके विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाकर अपने परिवार के साथ भादा के ग्रह ग्राम बेतूल जिले में जाकर हकीकत क्या है जानेंगे। लेकिन मेरे द्वारा उज्जैन से लेकर भोपाल और भोपाल से लेकर बैतूल तक भादा के परिचितों से संपर्क किया, लेकिन कहीं पर भी उसका पता नहीं है कि, वह कहां है। जिससे साफलग रहा है कि, भादा व उसका परिवार मिलकर मुझे व मेरी बेटी को धोखा देकर हमारा जीवन बर्बाद करने की सोच रहे हैं लेकिन मैं कतई ऐसा नहीं होने दूंगी।

गांव-गांव बिक रही है अवैध शराब

प्रशासन अपने सुस्त रवैए का परिचय दे रहा है

माही की गूंज, रतलाम। शराब का अवैध कारोबार कर रहे शराब ठेकेदार अब अधिक लाभ कमाने के चक्कर में गांव-गांव में अवैध रूप से सप्लाई कर व अवैध बिक्री करवाकर अच्छा-खासा मुनाफा कमा रहे है। गांव-गांव हो रहे इस अवैध शराब बिक्री में ठेकेदारों व ग्रामीणों द्वारा बेरोक-टोक इस कारोबार को अंजाम दिया जा रहा है। लंबे समय से गांवों में हो रही शराब की अवैध बिक्री लाइसेंसी शराब ठेकेदार के संरक्षण में गांवों में शराब की अवैध बिक्री की जा रही है। शराब ठेकेदार द्वारा खुद के वाहनों से खुलेआम गांव-गांव में दुकानें खुलवाकर अंग्रेजी एवं देशी शराब सप्लाई कर बेची जा रही है। जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में आए दिन झगड़े हो रहे है। ग्रामीण युवकों को शराब उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे ये युवक इन ठेकेदारों के लिए काम भी करते हुए देखे जा रहे हैं।

जहां एक ओर ग्रामीण अंचलों व उपनगरीय क्षेत्रों का माहौल खराब हो रहा है, तो वहीं दूसरी ओर युवा पीढ़ी नशे की लत की आदी होती जा रही है। ऐसा भी नहीं है कि शराब के अवैध कारोबार की जानकारी आबकारी विभाग और पुलिस प्रशासन को न हो, लेकिन जवाबदार युवाओं के भविष्य को नजर अंदाज कर सिर्फ ठेकेदार एवं अवैध विक्रेताऔ द्वारा प्रति माह दिए जाने वाले गांधी छाप प्राप्तकर उनसे अपनी रिश्तेदारी निभाकर माफियाओं को संरक्षण दे रहे है। शराब ठेकेदार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में शराब बिक्री करने के लिए डायरीयो पर ऐंट्री कर शराब बेचना शुरुकर करवा दी। अवैध शराब डायरी सिस्टम से कहीं किराने की दुकान पर तो कहीं चाय की होटल पर तो ग्रामीण क्षेत्र के ढाबों पर खुल्ले आम अवैध शराब एक बडे मयखाने के रूप में बेची जा रही।

भूरा को अंतरराष्ट्रीय बेस्ट रिसर्च अवार्ड मिला

माही की गूंज, च.शे.आज़ाद नगर। अभिषेक गुप्ता

शासकीय महाविद्यालय चंद्रशेखर आजाद नगर (भाबरा) बीएल भूरा ने ग्रंथपाल, एमए (राजनीति विज्ञान), एमलीब (पुस्तकालय विज्ञान), बीपीएड, एमए (शारीरिक शिक्षा विज्ञान), व नेट जिन्होंने राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 12 शोध, कन्फेश, सेमिनार, 102 वर्कशॉप की सहभागिता की। 3 बुक रिसर्च, (एक बुक अलिराजपुर जिले के आदिवासी समाज की संस्कृति एवं जनजीवन, भील, भीलाला, पटेलिया) राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर प्रकाशन किया व ई -शोध पत्र आस्ट्रेलिया अंतरराष्ट्रीय स्तर प्रकाशन हुआ है। शासकीय महाविद्यालय चंद्रशेखर आजाद नगर (भाबरा) कालेज प्राचार्य एसएस डोडवे, प्रो. एमएस डोडवा, प्रो. शुभम चौहान, प्रो. कमलेश गणावा, प्रो. विजय कुमार अलावे, प्रो संदीप बामनिया, डा. रेशम बघेल, प्रो. नवनीत सांकला, प्रो. दिलीप गरवाल, प्रो. भारत भूषण मेवार, प्रो. निलेश परमार, प्रो. एसएस कनोज, प्रो. रोशनी भंवर, प्रो. कविता छिपा, एसके शर्मा, हरमल खराड़ी, रोशन मारू, निरज भिडे, जिग्नेश परमार अंतरराष्ट्रीय अवार्ड मिलने पर समस्त स्टाफद्वारा बधाई दी गई हैं।

गृह कलह ले गया बर्बादी की ओर...

पति-पत्नी का विवाद, कीटनाशक से महिला के साथ गर्भ में पल रहा 7 माह के नवजात व 1 वर्षीय बच्ची की मौत

निर्दयी, पति धर्म के साथ नही निभा पाया पिता धर्म, मामला हुआ दर्ज पति व ससुर पहुंचे जेल

माही की गूंज, खवासा (झाबुआ)

रोज-रोज का गृह कलह व्यक्ति को किस बर्बादी की ओर ले जाता है यह झाबुआ जिले के थांदला थाने के खवासा चौकी क्षेत्र में देखने को मिला, जो चिंतनीय भी है व निंदनीय भी।

आए दिन कई तरह के मामले घटित होने के हमारे सामने आते हैं, पर कुछ मामले ऐसे घटित होते हैं जो कहीं न कहीं हर व्यक्ति के दिलों को झकझोर देता है। ऐसा ही झकझोर कर देने वाला एक मामला पिछले बुधवार-गुरुवार को खवासा क्षेत्र की ग्राम पंचायत तलावड़ा के ग्राम सादेड़ा में देखने को मिला।

सादेड़ा निवासी भूरा उर्फ भूरिया कटारा की करीब तीन वर्ष पूर्व राजस्थान के ग्राम काछला पोस्ट बसी (कुशलगढ़) निवासी रैना के साथ शादी हुई थी, शादी के बाद से ही पति-पत्नी के बीच में किसी न किसी छोटी-बड़ी बात से घर में कलह चल रहा था। वही दोनों के सम्मोहन के साथ एक वर्ष पूर्व भूरा की पत्नी रैना ने एक लड़की को जन्म दिया, जिसका नाम रितिका रखा गया। पियर पक्ष के अनुसार लड़की के जन्म के बाद भी भुरा रैना के साथ इस बात को लेकर विवाद करता था कि, तूने बेटे को जन्म नहीं देकर बेटी को जन्म दिया, बेटा नही बेटी होने की होने की बात पर पति के साथ ससुर ......जवरिया ......कटारा भी अपनी बहु को प्रताड़ीत करता था और आए दिन किसी न किसी बात को लेकर रैना से ससुर व पति दोनो विवाद करते ही रहते थे, एक बार बामनिया में ही स्टेशन पर भूरा ने पत्नि से विवाद किया और रैना को स्टेशन पर ही छोड़कर बाहर-गांव मजदूरी के लिए चला गया।

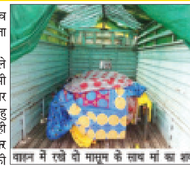

वाहन में रखे दो मासूम के साथ मां का शव

वही पिछले बुधवार के दिन भी सुबह किसी बात पर ससुर जवरिया ने बहु से विवाद कर कही चला गया और फिर भूरा ने कपडे धोने की बात पर विवाद कर उसकी पत्नी के साथ मारपीट भी की, यह सारा नजारा भूरा की साली उर्फरैना की छोटी बहन रेखा ने देखी जो फसल की नवाई पर अपने बहन व जीजा के घर आई थी, रेखा के जिजा भुरा जब उसकी बहन पिट रहा था तो जिजा से बहन को बचाने के लिए घर के बाहर जाकर मेरी बहन को बचाओ-बचाओ कहकर चिलाने लगी जिजा भूरा मारपीट कर लोगो के आने के डर से घर से भाग गया जब रेखा बाहर से घर के अंदर आई तो देखा बहन रैना ने कीटनाशक दवाई पी ली व उसकी एक वर्षिय बेटी को भी कीटनाशक पी ला दी, रैखा ने अपनी आंखो देखी पुलिस को भी बताई। करीब सुबह 11 बजे पत्नि से विवाद कर किटनाशक पी लिया है की बात भूरा की ससुराल में ससुर जवरिया ने बताया कि, रैना ने किटनाशक दवाई पी ली है, जिस पर पियर पक्ष के सदस्य ने कहा दवाई पी ली है तो, उसे तत्काल बाजना या किसी भी अस्पताल में ले जाकर उपचार करवाओ हम भी आ रहे हैं, लेकिन निर्दयी ससुर व पिता उर्फ पति ने अपने पति धर्म के साथ पिता धर्म भी भूल गया और निर्दयी पिता उर्फपति भूरा ने अपनी गर्भवती पत्नी रैना को घर में ही तो, अपनी अबोध एक वर्षिय बेटी को जो जिंदगी और मौत से संघर्ष कर रही थी को पड़ोसी सुगना बाई के घर छोड़कर फरार हो गए।

पियर पक्ष की सुचना पर मौके पर पहुची पुलिस ले गई उपचार हेतु

वहीं मायके पक्ष का परिवार राजस्थान से सादेडा पहुंचे जिसके बाद करीब 3 बजे पुलिस को मामले की सूचना दी गई, सूचना के बाद खवासा पुलिस व एसडीओपी मनोहर गवली, टीआई के साथ पुलिस बल व प्रभारी तहसीलदार मौके पर पहुंचे जहा पुलिस ने देखा अबोध लड़की की सांसे जिंदगी और मौत से संघर्ष कर रही थी, वही गर्भवती रैना मर चुकी थी, वही जिन्दगी व मौत से संघर्ष कर रही एक वर्षिय मासुम को पुलिस त्वरित उपचार हेतु बामनिया हॉस्पिटल ले गई, जहां डॉक्टर ने उपचार कर पेटलावद रेफर कर दिया, पेटलावद में लडकी की मौत हो गई। मौके पर फॉरेंसिक विशेषज्ञ डॉक्टर आरएस मुजाल्दे भी पहुंचे और शव का परीक्षण भी किया। महिला के साथ बच्ची व गर्भ में पल रहे सात माह के बच्चे की भी मौत हो गई जिनका पोस्टमार्टम गुरुवार को किया गया।

मायके पक्ष ने रोते-बिलखते हुए वाहन में ही रखे शवो पर अंतिम क्रिया की, कि रस्म अदायगी

पुलिस बुधवार को उक्त मामले में कुछ भी कहने से बचती रही, वहीं मायके पक्ष का परिवार ही साथ में मौजूद रहा और बड़ी संख्या में मायके पक्ष का परिवार मकोडिया फंटे व सेमलिया फंटे पर आकर शव का इंतजार करते रहे। मकोडिया फंटे पर मायके पक्ष के परिजनों ने विरोध दर्ज कर पुलिस को कहा उक्त मामले की निष्पक्ष जांच होकर अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही होना चाहिए। परिजनों ने एकमत होकर कहा, तीन हत्या का आरोपी उनका जमाई भूरा व ससूर ही है, आज वह सलाखों के पीछे नहीं गए तो फिर कोई अन्य परिवार ऐसी घटना का शिकार होगा। मकोडिया फंटे पर थांदला एसडीओपी मनोहर गवली के साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल उपस्थित था, पुलिस की समझाइश के बाद पियर पक्ष के परिजनों ने निर्णय लिया कि, अगर अंतिम संस्कार में सादेड़ा गए तो परिजनों का आवेश फूट सकता है जो बड़े विवाद का भी रूप ले सकता है, इसलिए मायके पक्ष वालों ने रोते-बिलखते हुए बेटी व नाती-नातीन के अंतिम संस्कार की रसम वाहन में रखें शवों पर कपड़े ओडाकर की गई तत्पश्चात वो अपने घर लौट गए।

तो वहीं पुलिस बल की उपस्थिति में निर्दयी पिता उर्फपति के परिजनों ने सादेड़ा मुक्तिधाम पर अंतिम संस्कार किया गया।

घरेलू विवाद व आवेश पर नियंत्रण नहीं होने के कारण हुई इस दर्द विदारक घटना से खवासा सहित क्षेत्र मे हर किसी के दिल को झकझोर कर रख दिया था।

अंतिम संस्कार के बाद मामले की विवेचना पुलिस ने की और शुक्रवार को ससुर जवरिया व पति भूरा पर रैना को प्रताडित कर उसे आत्महत्या के लिए मजबुर करने का 367/2020 धारा 306, 498ए 34 भादवी का अपराध दर्ज कर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहा उनकी जमानत खारिज कर जेल भेज दिया।

नपा ने एक बार फिर बिना मास्क दो पहियां वाहनों के खिलाफकी चालानी

35 वाहनों के चालान बनाकर 3500 रू. की वसूली की गई

माही की गूंज, झाबुआ।

नपा की राजस्व शाखा द्वारा मंगलवार को दोपहर एक बार फिर कोरोनाकाल में शहर के बाजारों में बिना मास्क पहनकर दो पहियां वाहन चलाने वाले चालकों पर कार्रवाई करते हुए उनके चालान बनाए। ऐसे 35 वाहनों के चालान बनाकर कुल 3500 रूपए की राजस्व वसूली की गई।

यह अभियान नगरपालिका अध्यक्ष मन्नूबेन डोडियार तथा नपा सीएमओ एलएस डोडिया के निर्देश पर संचालित हुआ। जिसमें नपा के स्वास्थ्य अधिकारी युनूसउद्दीन कुरैशी, राजस्व शाखा के निरीक्षक अयूब खान, उपनिरीक्षक ब्रजकिशोर शर्मा, सहायक राजस्व निरीक्षक रूपसिंह आदिवासी, मुकेश चौहान, दरोगा मन्नू बसोड़ आदि द्वारा स्थानीय बस स्टेंड पर यह तीसरी बार अभियान चलाते हुए बिना मास्क, रूमाल या गमछा पहनकर दो पहियां वाहन चालकों को रोककर उनके चालान बनाकर समझाईश दी कि वे कोरोना जैसी जानलेवा और भयावह महमारी से बचाव हेतु मास्क का उपयोग आवश्यक रूप से करें। आप सुरक्षित रहेंगे, तो आपका परिवार, समाज तथा शहर भी सुरक्षित रहेगा।

निः शुल्क मास्क का किया वितरण

राजस्व शाखा के निरीक्षक खान ने बताया कि नपा ने करीब एक घंटे अभियान चलाकर 35 दो पहियां वाहनों के चालान बनाकर कुल 3500 रूपए का राजस्व वसूला। अधिकांश वाहन चालकों को समझाईश देकर ही छोड़ा गया। साथ ही उन्हें निः शुल्क मास्क का भी वितरण किया। इस अवसर पर शहर के एक दुकानदार अर्पण जनरल स्टोर्स के संचालक गजेन्द्र परमार की ओर से नगरपालिका को कॉटन के बने करीब 200 मास्क निः शुल्क प्रदान करने हेतु भी घोषणा की गई। उनके इस कार्य की नपा ने सराहना की। नपा द्वारा यह अभियान आगामी दिनों में भी जारी रखा जाएगा।

जांच के बाद गुजरात से घर लौटा परिवार 5 दिन बाद आई रिपोर्ट पॉजिटिव

जांच की रिपोर्ट आने के पूर्व ही गुजरात से आ रहे लोग तो फिर नई कोरोना जांच से क्या है तुक

माही की गूंज, पेटलावद। लोगो की कोरोना की रिपोर्ट लेकर संशय बढ़ता जा रहा है, बिना किसी लक्षण के रिपोर्ट पॉजिटिव आने से लोगो में कोरोना को लेकर संशय की स्थिति बन गई है। गुजरात मे की जा रही रिपोर्ट ओर प्रक्रिया भी संदेह के घेरे में आ गई है। सारंगी और उनालूपाड़ा से दो लोगो को रिपोर्ट बड़ोदा में हुई जाँच में पॉजिटिव आई थी। मिली जानकारी के अनुसार सारंगी से कुछ लोग निजी वाहन से बड़ोदा-गुजरात इलाज करवाने के लिए 1 सितम्बर को निजी वाहन से बड़ोदा पहुँचे थे जहाँ नियमानुसार पहले कोविड-19 कोरोना की जांच करवानी होती है। यहाँ भी यही हुआ ओर इलाज के लिए गए मरीज की कोरोना जांच के लिए सेम्पल लिए लेकिन जाँच की रिपोर्ट नही मिली और 2 सितम्बर को सभी जिस इलाज के लिए गए मरीज कोरोना जांच रिपोर्ट करवाने के साथ अपना उपचार करवाकर अपने घर लोट आए, अब पांच दिन बाद उनमे से दो की रिपोर्ट पॉजिटिव बता दी गई, जिस पर परिवार वालो को किसी प्रकार से विश्वास नही हुआ, रिपोर्ट पोर्टल पर पॉजिटिव दिखने के बाद शासन की गाइडलाइन के अनुसार सारंगी ओर उनालूपाड़ा में कन्टेन्टमेंट झोन तैयार किया गया और दोनों मरीजो को कोविड सेंटर झाबुआ ले जाने हेतु स्वास्थ अमला ओर प्रशासन मौके पर पहुँच गया, लेकिन स्वास्थ्य विभाग के पास पोर्टल पर मिली जानकारी के अलावा हाथ मे कोई रिपोर्ट नही थी, जिसके चलते स्वास्थ अमले का कड़ा विरोध परिजनों ने दर्ज करवाते हुए रिपोर्ट को ही गलत बताकर रिपोर्ट में आए कोरोना संकृमित मरीज को कोविड सेंटर भेजने से मना कर दिया। प्रशासन द्वारा लाख प्रयास के बाद भी परिवार नही माना और आखिर कोरोना संकृमित पाए गए व्यक्ति को बिना लिए ही उलटे पाव प्रशासन को रवाना होने पड़ा ओर केवल उनालूपाड़ा के संकृमित को झाबुआ भेजा जा सका। मामले में बीएमओ एमएल चोपडा से बात की गई तो गूंज को बताया, परिवार को समझाने पर भी कोरोना संकृमित को नही भेजा लेकिन बाद में परिवार राजी हो गया है, सुबह निजी वाहन से वे मरीज को भेजने को तैयार हो गए जिन्हे पूरी सुरक्षा के साथ सुबह कोविड सेंटर झाबुआ भेजा जाएगा।

गुजरात की नियति और वहा की स्वास्थ व्यवस्था पर खड़ा हुआ सवाल

पूरे मामले में गुजरात प्रशासन की भारी लापरवाही सामने आ रही है जो मरीजो को इलाज से पहले कोरोना की जांच तो करते हैं, लेकिन रिपोर्ट समय पर नही मिलने के कारण लोग बिना रिपोर्ट की जानकारी के घर लौट जाते हैं और बिना किसी परेशानी के घूमते हैं, ऐसे में रिपोर्ट पॉजिटिव और देर से आने की स्थिति में संक्रमण फैलने की आशंका भी बनी रहती है। वही पोर्टल को देख कर जिला प्रशासन भी सस्वास्थ एवं एहतियात संबधी कार्रवाई की तैयारी कर लेता हैं, जिनको पहले गुजरात प्रशासन से रिपोर्ट की कॉपी ओर जिन लोगो के जांच के नमूने लिए गए हैं उनकी रिपोर्ट आने तक होम क्वारंटाइन या प्रशासन की देखरेख में रखने की जानकारी देना चाहिए, लेकिन कोरोना को लेकर भारी लापरवाही देखने मे आरही हैं नतीजन वर्तमान में ही नहीं वरन भविष्य में परेशानी ओर संक्रमण ओर ज्यादा फैलने का कारण सबब बन सकता हैं।

जिले की रिपोर्ट भी चार-पांच दिन में, वही कई रिपोटो का अता-पता भी नही

जिले में कोरोना की जांच शुरू होने के बाद रिपोर्ट एक दिन बाद आ रही थी, लेकिन अचानक गड़बड़ाई व्यवस्था के बाद जांच के लिए सेम्पल वापस इंदौर भेजे जा रहे है, जहाँ से रिपोर्ट आने में चार से पांच दिन का समय लग रहा है। जिसमे से कई लोगो की रिपोर्ट पॉजिटिव आ चुकी हैं जो सेम्पल लिए जाने के बाद से बेफिक्र होकर वे लोगों से मिल-जुल रहे हैं, जिससे ही कोरोना की चेन का रुक पाना असम्भव हो रहा है। इतना ही नही यहाँ से भेजे गए कई सैम्पलों की जाँच रिपोर्ट के अते-पते भी नही है, जिन्हें बाद में नेगिटिव मान लिया जाता है, कही आलम ये हैं कि, कोरोना संकृमित ठीक होकर घर लौटने तक उनके सम्पर्क में आए लोगो और परिजनों के जाँच के सेम्पल तक नही लिए जा रहे हैं। कोरोना जैसे गम्भीर संक्रमण से निपटने के लिए आमजन के लिए तो गाइडलाईन का पालन करने के लिए दंड तक किए जा रहे हैं वही प्रशासन स्वयं कोरोना को लेकर भारी लापरवाही बरत रहा हैं।

पृष्ठ 1 का शेष...

कांग्रेस का पप्पू पहुंचा जेल में...

कांग्रेस की सरकार में रिंग मास्टर बन भाजपा की सरकार में बन गया खाद्यान की कालाबाजारी का सर्कस मास्टर

मामले में औचक निरीक्षण किया जिसमें स्टॉक रजिस्टर अपूर्ण पाया, गेहूं-चावल की बोरी के वजन में अंतर व सामग्री कम आदि अनियमित्ता का भौतिक सत्यापन के साथ बड़े रूप से हो रही कालाबाजारी की एक ही दिन में संपूर्ण जांच कर मामले को खत्म कर दिया। इतना ही नहीं जहां पुलिस और प्रशासन छोटे से छोटे अपराध दर्ज कर अपराधियों के साथ खड़े होकर फोटो खिंचवा कर अपनी वाहवाही लुटती है, वही पुलिस और प्रशासन उक्त मामले की पूरी कार्यवाही न्यायालय में पेश करने के पूर्व तक भी किसी को हवा तक नहीं लगने दी, और आखिर यह कैसे संभव हुआ कि, प्रशासन कार्यवाही के लिए जब मौके पर पहुंचा और आरोपियों को मेघनगर जाकर मिस्टर इंडिया की तरह पुलिस छापामार कार्रवाई के दौरान किसी को दिखी ही नहीं और उन्हें गिरफ्तार कर ले भी गई और कार्यवाही की पूर्ण जांच के साथ पेश भी कर दिया।

पप्पु के कालाबाजारी के खाद्यान्न को खरिदने वाले नेचरल गोल्ड पर भी कार्यवाही पर पत्रकारो को नही दी जानकारी, फोटो खिचने वाले पत्रकारो को पुलिस ने थाने से किया रवाना

वहीं जहां सोसायटीयो की जगह पप्पू ने कई ट्रक गेहूं थांदला कि नेचरल गोल्ड में भेजा हे की बात हर कोई जानता है और शनिवार को ही एसडीएम थांदला के निर्देशन में गठित टीम ने थांदला के नेचरल गोल्ड पल्स एंड फ्लोर मिल पर आकस्मिक निरीक्षण किया गया बताया जा रहा है, शनिवार के निरीक्षण की हवा किसी स्थानीय व्यक्ति को भी नहीं लगी लेकिन सोमवार को कार्यवाही हेतु टीम नेचरल गोल्ड पहुंची तो कार्यवाही का पता चला, पूरी कार्यवाही की जानकारी जब थांदला पुलिस से भी पत्रकारों ने लेना चाही तो उन्हें भी किसी प्रकार की कोई जानकारी यह कह कर नहीं दी गई कि, झाबुआ एसपी प्रेस नोट जारी कर पूरी जानकारी देंगे। वही जब पुलिस की गिरफ्त में आए 7 ओरोपी जिन्हे थाने से न्यायालय ले जाने हेतु गाडी में बिठाया जा रहा था जिस समय पत्रकारो द्वारा फोटो खिचे जा रहे थे तो पुलिस ने उन फोटो खिचने वाले पत्रकारो को थाने से रवाना करने का प्रयास किया।

एसपी के प्रेस नोट में बताया आकस्मिक निरीक्षण में गेहूं 75.39 क्विंटल व चना 28.74 क्विंटल कम होना पाया गया, कृषि उपज मंडी में फर्म द्वारा 16 मई से 1 जुलाई तक प्रस्तुत भुगतान पत्रक में 24 कृषको का सत्यापन मौके पर करवाए जाने पर 23 कृषकों का ग्रामो में निवासी होना नहीं पाया व 9 आरोपियों अली हुसैन पिता गुलाम अली बोहरा, मोहम्मदी पिता अब्बास बोहरा, मुस्तनसिर चिकलिया पिता अली हुसैन बोहरा, हौजेफ पिता अली हुसेन बोहरा, संजय पिता चंपालाल वोरा जैन, रजनीकान्त पिता रूपचंद, श्रेणिक पिता कनकमल गादीया, लोकेश पिता कनकमल गादीया, मुनीरा पिता अब्बास बोहरा निवासी थांदला के विरुद्ध फर्जी तरीके से विधि विरुद्ध गेहूं व चना क्रय करने के संबंध में अपराध क्रमांक 371/2020 धारा 420, 409, 34 भादवी का पंजीबद्ध कर सात आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें जेल भेजा। वहीं कुछ जानकारी न्यायालय से मीडिया प्रभारी वर्षा जैन के प्रेस नोट से पता चली कि, खवासा, हरीनगर, सुतरेटि व काकनवानी में निवासरत किसानों का सत्यापन करने पर पाया गया कि, उनका नाम उस गांव में नहीं होना पाया। वही कृषक जानकीलाल पाटीदार खवासा ने खवासा की सहकारी संस्था केंद्र पर पंजीयन कराकर गेहूं विक्रय किया था।

भाजपा सरकार में कांग्रेसी सर्कस मास्टर पप्पू का बोलबाला उसकी खातिरदारी के साथ यह स्पष्ट पता चल रहा है कि, स्थानीय प्रशासन ऊपरी दबाव के साथ महज एक औपचारिक कार्यवाही करने के साथ ही पूरी तरह से दोनो जगह संरक्षण भी प्रदान कर रही है, जिसे देखकर कहा जा सकता है कि, भाजपा सरकार में पप्पू की ही जीत है। शनिवार को सीजीएम कोर्ट ने जमानत खारिज कर दी थी। वहीं बुधवार को पेटलावद के एडीजे न्यायालय ने भी पप्पू की जमानत खारिज कर दी।

नगरपालिका परिषद् ने नवागत कलेक्टर रोहित सिंह का किया स्वागत

माही की गूंज, झाबुआ। जिले के नवागत कलेक्टर रोहित सिंह का नगरपालिका परिषद् झाबुआ द्वारा 8 सितंबर, मंगलवार को दोपहर साढे 11 बजे कलेक्टोरेट पहुंचकर उनके कक्ष में आत्मीय स्वागत किया। बाद में प्रशासनिक स्तर पर हल की जाने वाली झाबुआ शहर की समस्याओं और विभिन्न मुद्दों से कलेक्टर श्री सिंह को अवगत करवाया। जिसका निराकरण करवाने हेतु कलेक्टर द्वारा आश्वस्त किया।

स्वागत अवसर पर विशेष रूप से नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती मन्नूबेन डोडियार, उपाध्यक्ष रोशनी डोडियार, सीएमओ एलएस डोडिया, पार्षदगणों में साबिर फिटवेल, अजय सोनी, जुवानसिंह गुंडिया, हेमेन्द्र बबलू कटारा, जितेन्द्र पंचाल, रशीद कुरैशी, विवेक हेलन मैडा, मालू डोडियार, शशि धूमा डामोर, दीपू डोडियार, ऋषि डोडियार आदि उपस्थित थे। कलेक्टर के सम्मुख नपा सीएमओ श्री डोडिया ने वित्तीय वर्ष में नगरपालिका द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी दी। साथ ही जो कार्य पेडिंग है, उससे भी अवगत करवाया।

नगरपालिका परिषद् की ओर से शहर के मोजीपाड़ा में स्लाटर हाऊस का जो काम रूका पड़ा है, उसे अतिशीघ्र पूरा करवाने, शहर के तालाबों और बगीचों के सौंदर्यीकरण, बसंत कॉलोनी में मत्स्य विभाग का तालाब, जो महीनों से गंदा पडा है एवं उपेक्षा का शिकार है, उसका जीर्णोद्धार करने के अतिरिक्त प्रशासनिक स्तर पर जो कार्य नगर के विकास हेतु अधूरे पड़े है, उन्हें पूर्ण करवाने में सहयोग की मांग के साथ नगर की कई समस्याऔ को समाधान हेतु बताया, जिसे श्री सिंह ने पूरा करने हेतु आश्वस्त किया।

संपादकीय

सुशांत मामले का राजनीतिक मकसद साफ हो गया

फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के मामले को क्यों इतना तूल दिया जा रहा है उसकी सचाई अब धीरे धीरे सामने आने लगी है। उसका राजनीतिक मकसद भी स्पष्ट हो गया है। बिहार में प्रदेश भाजपा के कला व संस्कृति प्रकोष्ठ की ओर से एक प्रचार सामग्री जारी हुई है, जिसमें सुशांत सिंह राजपूत की फोटो लगा कर कहा गया है कि न भूले हैं, न भूलने देंगे। इसमें हैशटैग जस्टिस फॉर सुशांत सिंह भी लिखा हुआ है। अब भाजपा के नेता इस पर चाहे जैसी सफाई दें पर यह तो जाहिर हो गया है कि बिहार में भाजपा और जनता दल यू के लिए इस मुद्दे का क्या मतलब है।

पर यह भी तय है कि यह मुद्दा एनडीए को वोट नहीं दिला पाएगा। क्योंकि लोगों की तमाम रूचि और भावनात्मक जुड़ाव के बावजूद इस मुद्दे की सचाई भी सामने आने लगी है। मुंबइया फिल्म उद्योग में क्या होता है यह लोगों की दिलचस्पी का मुद्दा हमेशा होता है इसलिए टेलीविजन चौनल दिन भर यह मुद्दा चलाते रहते हैं पर अब यह मुद्दा सुशांत सिंह राजपूत से शिफ्ट होकर दूसरी दिशा में चला गया है। अगले दो महीने में दूसरी दिशा का रास्ता भी बंद हो जाएगा और इस मुद्दे की चमक खत्म हो जाएगी। बिहार के लोगों की दिलचस्पी इस मुद्दे में इसलिए थी क्योंकि सुशांत सिंह राजपूत बिहार के थे, मध्यवर्गीय परिवार से आते थे और अचानक लोगों को यह सुनने को मिला था कि उन्होंने आत्महत्या कर ली है, जिसे बाद में हत्या बताया जाने लगा। इस घटना से कुछ दिन पहले ही उनकी एक सफल फिल्म आई थी उसकी कहानी से भी बिहार के लोगों ने अपने को कनेक्ट किया था। तभी यह मुद्दा बिहार के लोगों में हिट हुआ। पर अब यह मुद्दा रह ही नहीं गया है। अब पूरे मामले में सुशांत सिंह गायब हैं या उनको जान बूझकर गायब करना होगा, वरना मौत के बाद उनके अतीत को लेकर बहुत छीछालेदारी हो सकती है।

अभी तक की जांच से और उनसे जुड़े लोगों के बयानों से यह जाहिर होता है कि उनका बॉलीवुड की कम से कम तीन अभिनेत्रियों के साथ अंतरंग संबंध रहा। दूसरी बात यह जाहिर हो रही है कि वे काफी पहले से किसी तरह का नशा करते थे। तीसरी बात यह पता चली है कि उनको मानसिक स्वास्थ्य की समस्या कोई दस साल से थी। चौथी बात यह पता चल रही है कि अपने परिवार के साथ भी कई मसलों पर तनाव था। सो, ये सारी बातें अगर खुल कर आने लगती हैं या अभी तो बयानों में ऐसा दिख रहा है, अगर जांच एजेंसियों ने इनको कलमबद्ध किया तो उनका कोई राजनीतिक महत्व नहीं रह जाएगा।

अब जरा इस पूरे मामले में किस तरह से गोलपोस्ट शिफ्ट हुआ है उसे देखें। पहले जब खबर आई कि सुशांत सिंह राजपूत ने आत्महत्या कर ली है तो इसका दोष बॉलीवुड के प्रचलित भाई-भतीजावाद को दिया गया। कहा गया है कि नेपोटिज्म के चलते एक उभरते हुए बेहतरीन अदाकार का जीवन खत्म कर दिया गया। तब फिल्म उद्योग से जुड़े तमाम बड़े घरानों को निशाना बनाया गया। इसके बाद कहा गया कि उनकी गर्लफ्रेंड ने उनके साख करोड़ों रुपए की हेराफेरी की है, यह आरोप खुद उनके पिता ने लगाया। पर प्रवर्तन निदेशालय की जांच से ऐसा कुछ पता नहीं चला है। इसके बाद कहा जाने लगा कि उनकी हत्या की गई है और सीबीआई की जांच से ही इसका राज खुल सकता है। अब सीबीआई भी दो हफ्ते से ज्यादा समय से जांच कर रही है और हत्या के पहलू से जांच कहीं आगे नहीं बढ़ रही है। इसके बाद अंत में नशीली दवाओं का पहलू आया, जिसकी जांच नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो कर रहा है।

यानी अब बाकी सारे मामले पृष्ठभूमि में चले गए और रिया चक्रवर्ती के पूरे परिवार और सुशांत सिंह राजपूत के पुराने कर्मचारियों, सहयोगियों और साथियों को नशेड़ी या नशीली दवाओं का कोराबारी साबित करने की होड़ मच गई है। लेकिन सवाल है कि जब आसपास के सारे लोग नशेड़ी या कारोबारी साबित होंगे तो सुशांत को इस आरोप से कैसे बचाएंगे? दूसरे, नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सबस्टांसेज, एनडीपीएस एक्ट के मुताबिक जब तक एक निश्चित मात्रा में नशीली चीजें बरामद नहीं होती हैं तब तक कोई मजबूत केस नहीं बनता है। जैसे अगर किसी को गांजे का कोराबारी साबित करना है तो उसके पास से कम से कम एक किलो गांजा बरामद होना चाहिए और साथ ही उसके खरीदारों का भी पता चलना चाहिए। इस मामले में बरामदगी कुछ नहीं है, सिर्फ व्हाट्सएप चौट के आधार पर किसी को नशीली दवाओं का कारोबारी नहीं साबित किया जा सकता है। सो, एनसीबी की जांच भी एक निश्चित सीमा के पास जाकर ठहर जानी है।

सो, कुल मिला कर कहा जा सकता है कि सीबीआई, ईडी और एनसीबी जैसी देश की तीन बड़ी एजेंसियों की जांच मीडिया में बनाई गई हाइप से आगे नहीं जाने वाली है। एनसीबी ने जरूर कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है पर किसी के खिलाफ अदालत में मजबूत केस बनने की संभावना बहुत कम है। अभी तक स्थिति यह है कि सीबीआई सुशांत सिंह की मौत को हत्या साबित करने वाले सबूत नहीं खोज पाई है। ईडी को 15 करोड़ या किसी भी अमाउंट की हेराफेरी का सबूत नहीं मिला है और एनसीबी ने गांजा, चरस या कोई भी नशा अभी तक जब्त नहीं किया है। सो, कहीं ऐसा न हो कि इस मामले में देश की सारी प्रीमियर एजेंसियों की स्थिति थोड़े दिन के बाद वैसी ही हो जाए, जैसी प्रशांत भूषण के अवमानना के मामले में अदालत की हुई थी! यानी अपनी साख बचाने के लिए कुछ प्रतीकात्मक कार्रवाई करनी पड़े। ऐसे में भाजपा और जदयू इसका क्या राजनीतिक लाभ ले पाएंगे? वैसे भी बिहार की राजनीति कम से कम वोटिंग के समय ऐसे प्रतीकों से प्रभावित नहीं होती है।

पत्रकारिता के आगे एक हासिया खड़ा है?

प्रभुनाथ शुक्ल

पत्रकारिता के आगे एक हांसिया खड़ा है? वह हांसिया उसे कटघरे में खड़ा करता है। पत्रकारिता खुद न्याय की मांग कर रहीं है। उसकी आजादी और निष्पक्षता प्रभावित हो रहीं है। वह कराहती, टूटती और बिखरती नजर आती है। उसकी नैतिकता और निष्पक्षता कायम रहे इसका इलाज वह स्वयं खोजती दिखती है। उसे किस अदालत के सामने दस्तक देनी होगी। उसे कौन न्याय दिलाएगा और वह न्याय क्यों चाहती है ? कौन से ऐसे लोग हैं जो उसका गला दबना चाहते हैं। पत्रकारिता और पत्रकारों पर अंगूली क्यों उठ रहीं है। पत्रकार क्या अपने नैतिक धर्म से विमुख हो गए हैं जैसे तमाम सवाल उसे डराते और कचोटते हैं।

हिंदी पत्रकारिता बेहद सबल हुई है। उसकी व्यापकता और स्वीकारता बढ़ी है। पत्रकारिता ने जटिल चुनौतियों को पार किया है। वह तकनीकी रूप से बेहद संवृद्ध और आधुनिक हुई है। पत्रकारिता की गतिमानता, व्यापकता बढ़ी है, लेकिन उसका चरित्र और नैतिकता गिरी है। अब आम के बीच वह खास की बात करती है। वर्चुअल मीडिया ने मूल पत्रकारिता की दुश्वारियां बढ़ा दी है। प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया में आगे निकले की होड़ ने खबरों की गुणवत्ता को निगला है। अब ख़बरें आम की नहीं खास की होती हैं। उनके मुद्दे और सरोकार खास के हो गए हैं। अब वह विषेश वर्ग के लिए काम करती है।

आज के दौर में इलेक्ट्रानिक मीडिया प्रिंट के मुकाबले अधिक प्रभावशाली दिखती है। कोरोना संक्रमण काल ने इस स्थिति को और अधिक बदला है। प्रिंट अब डिजिटल अधिक हो गई है। पूरा का पूरा अखबार पीडीएफ में उपलब्ध है। नंदन और कादम्बिनी जैसी स्तरीय पत्रिकाओं को बंद होना पड़ा है। देश के एक अग्रणी समूह अखबार को टीवी में खुद को पढ़ने के लिए विज्ञापन देना पड़ रहा है। कितनी तेजी से वक्त बदल रहा है जो दूसरों को विज्ञापित करते रहे वह खुद विज्ञापित हो रहे हैं। क्योंकि अब जहां अखबार नहीं पहुंचते हैं वहां टीवी उपलब्ध है। आधुनिक मोबाइल की उपलब्धता ने इसकी पहुंच और आसान बना दिया है।

हिंदी पत्रकारिता में जनपक्ष गायब है। आम आदमी कहीं नहीं दिखता है। उसकी समस्याएं किसी डिबेट का हिस्सा नहीं बनती हैं। पत्रकारिता में सनसनी परोसने का ट्रेंड चल पड़ा है। मीडिया संस्थान सत्ता की खुशामद जरूरत से अधिक करने लगे हैं। जबकि आम आदमी की समस्याएं सिरे से खारिज कर दी गई हैं। टीवी और अखबार में कौन सी ख़बर चलनी और छपनी है उसका एजेंडा तय है। टीवी पत्रकारिता की हालत बुरी है। प्रिंट फिर भी विश्वास के करीब है।

पत्रकारिता व्यापार हो गई है। मालिक ने करोड़ों खर्च किया है। संस्थान में काम करने वालों को वह तनख्वाह कहां से देगा। फिर तो उसे समझौता करना ही पड़ेगा। फिर वह जनपक्ष की बात क्यों करेगा। क्योंकि कोई भी सत्ता और सरकार जनकसौटी पर खरी नहीं उतर सकती है।

पत्रकारिता में दाल- भांत की नहीं बिरयानी की बात की जाती है। इलेक्ट्रानिक मीडिया पर जिस तरह अंगुलियां उठी हैं वह सवाल खड़े करती है। टीवी चौनलों की आपसी होड़ खुलकर सामने दिखती हैं। पत्रकारों और पत्रकारिता को सोशलमीडिया में किस तरह कटघरे में खड़ा किया जा रहा है वह किसी से छुपा नहीं है। इलेक्ट्रानिक मीडिया की नामचीन हस्तियों को लोग गालिया दे रहें हैं। टीवी ऐंकर्स को ट्रॉल किया जा रहा है। जनमानस में घटिया पत्रकारिता को लेकर घृणा है। टीवी ऐंकर्स पर असंसदीय टिप्पणी की जा रहीं है। फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह की करीबी रिया के एक साक्षात्कार को लेकर पत्रकारिता की साख और गिर गई है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी उस घटना की जाँच कर रहीं हो फिर उस साक्षात्कार की क्या जरूरत थी? टेलीविजन पर टीआरपी लेने के लिए स्तरहीन डिबेट का हाल किसी से छुपा नहीं है। इस तरह कि डिबेट जिससे किसी आम आदमी का कोई सरोकार नहीं है। टीवी पर कुछ निर्धारित एजेंडागत ख़बरें दिखाई जाती हैं। आजकल रात- दिन रिया और सुशांत छाए हैं।

देश में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। मौत की संख्या में इजाफा हो रहा है। इसके बाद भी अनलॉक जारी है। बुजुर्गों के अलावा अब युवा भी इस खतरनाक वायरस की चपेट में आ रहें हैं। निजी अस्पताल जिसके पास पैसा नहीं है उसे भर्ती तक नहीं ले रहें हैं। देश की विकास दर 40 साल के न्यूनतम तर पर पहुंच चुकी है। विकासदर ऋणात्मक में चली गई है, लेकिन इस पर कोई डिबेट नहीं हो रहीं है। बेगारी निम्नस्तर पर पहुंच चुकी है। लाखों की संख्या में लोग बेरोजगार हो चुके हैं। सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण हो रहा है। इस तरह के फैसलों पर अर्थव्यवस्था और रोजगार पर क्या प्रतिकूल और अनुकूल प्रभाव पड़ेगा इस पर चुप्पी है।

लॉकडाउन में किसान और आम आदमी कई तरह की समस्याओं से जूझ रहा है। किसानों को बजार उपलब्ध नहीं हो रहा है। खेती में लागत घाटा बढ़ रहा है। यूरिया कि किल्लत को लेकर किसान परेशान हैं। बाढ़ से तबाही मची है। तकनीकी शिक्षा में भी लोग बेगार हैं। इस हालात में हम आत्मनिर्भरता की बात करते हैं। लेकिन देश का युवा किस तरह आत्मनिर्भर बनेगा इस पर कोई बहस नहीं है। पत्रकारिता अपनी खुद की जिम्मेदारी सम्भले के बजाय दूसरों की जवाबदेही तय करना चाहती है। लेकिन वह खुद अपनी पटरी से कितना नीचे उतर चुकी है इसका उसे खुद अंदाजा नहीं है। मीडिया न्यायी की भूमिका में है। वह बेतुकी बहसों से यह साबित करना चाहती है कि वह जो कहती और करती है वह सच है।

पत्रकारिता सनसनी बन गई है। वह दक्षिण और वामपंथ में विभाजित हो चुकी है। वह हिंदू- मुस्लिम में बंट चुकी है। वह देश की बात कम दल की बात अधिक करती है। वह आम की कम खास की अधिक बात करती है। वह सत्ता के बजाय विपक्ष को घेरती है। पढ़े- लिखे लोगों के बीच मीडिया विभाजित हो चुकी है। कौन सा टीवी चौनल और अखबार किस दल का हिमायत करता है लोग बड़े साफगोई से इस सवाल का जबाब दे सकते हैं। जिनकी बात मीडिया में मुद्दा नहीं बनती वह टीवी और अखबार देखते भी नहीं हैं। इस तरह का तबका असुविधा को ही जीवन की दिनचर्या बना लिया है। उससे कोई मतलब नहीं है कि कौन सा अखबार और टीवी उसकी बात को वरीयता देता है या नहीं।

आजकल टीवी पत्रकारिता में चिल्लाने का नया दौर चला है। हम चिल्लाने से सच नहीं छुपा सकते हैं। हम चिल्लाकर देश की समस्या का समाधान नहीं कर सकते हैं। हम चिल्लाकर खबरों की कसौटी पर खरे नहीं उतर सकते हैं। मीडिया में एक कहावत है कि ख़बरें बोलती हैं। प्रबुध्द पाठक और दर्शक सबकुछ समझता है। उसे चिल्लाना पसंद नहीं हैं। रिमोट उसके हाथ में उसे वह बदल सकता हैं। लोग खबरों के भूखे हैं लेकिन भड़ास और भांटगिरी उन्हें पसंद नहीं। वक्त तेजी से बदल रहा है। पत्रकारिता की लम्बरदारी करने वालों के दिन लदने वाले हैं।

सोशलमीडिया ने अभिव्यक्ति का नया प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया है। अब पत्रकारिता वर्चुयल मीडिया के पीछे भागती दिखती है। आम आदमी अपनी बात खुले मन से वहां करता है और लाखों तक पहुंचाता है। पत्रकारिता जनविश्वास की कसौटी और आम आदमी के सरोकार से दूर भागती दिखती है। यहीं वजह हैं कि पत्रकार और पत्रकारिता जो कभी आम आदमी के अधिकार की बात करती थी आज खुद बहस का मसला बनती दिखती है। अब वक्त आ गया है जब पत्रकारिता और पत्रकारों को अपना विश्वास लौटाना होगा। मीडिया संस्थानों ने अगर इस पर गौर नहीं किया तो भीड़ में उनका टिकना मुश्किल होगा। लोग उसी पर भरोसा करेंगे जो उनकी कसौटी पर खरा उतरेगा।

(स्वतंत्र लेखक और पत्रकार)

चाणक्य नीति

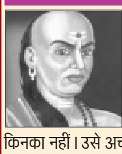

जो व्यक्ति शास्त्रों के सूत्रों का अभ्यास करके ज्ञान ग्रहण करेगा उसे अत्यंत वैभवशाली कर्तव्य के सिद्धांत ज्ञात होगे। उसे इस बात का पता चलेगा कि किन बातों का अनुशरण करना चाहिए और किनका नहीं। उसे अच्छाई और बुराई का भी ज्ञात होगा और अंतत: उसे सर्वोत्तम का भी ज्ञान होगा।

काम की बात

भूल पीठ की तरह होती है, जो औरों की दिखती है पर अपनी नहीं।

एक सलाह

छोटी सोच शंका को जन्म देती है और बड़ी सोच समाधान को।

लद्दाख का हल मुश्किल नहीं

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

भारत के रक्षामंत्री राजनाथसिंह और चीन के रक्षामंत्री वेई फेंगहे की मास्को में दो घंटे बात हुई लेकिन उसका नतीजा क्या निकला? दोनों अपनी-अपनी टेक पर अड़े रहे। फेंगहे कहते रहे कि वे चीन की एक इंच जमीन नहीं छोड़ेंगे और यही बात भारत की जमीन के बारे में राजनाथ भी कहते रहे। दोनों एक-दूसरे पर उत्तेजना फैलाने का आरोप लगाते रहे, फिर भी दोनों सारे मामले को बातचीत से हल करने की इच्छा दोहराते रहे। क्या आपने कभी सोचा कि दोनों देशों के नेता इस मुद्दे पर खोए-खोए- से क्यों लगते हैं ? जहां तक भारत का सवाल है, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषणों में चीन का नाम एक बार भी नहीं लिया। उन्होंने गलवान घाटी में शहीद हुए सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी, उन पर हुए हमले की भर्त्सना की लेकिन साथ में यह भी कह दिया कि चीन ने हमारी सीमा में कोई घुसपैठ नहीं की और हमारी किसी चौकी पर कब्जा भी नहीं किया। तो फिर उनसे अब संसद में पूछा जाएगा कि आखिर झगड़ा किस बात का है? उनसे प्रश्न होगा कि क्या उन्होंने अपने सैनिकों को चीन की सीमा में घुसने का आदेश दिया था? उन्हें जो मारा गया वह तो चीनी तंबुओं में घुसने पर मारा गया था। संसद में सरकार को स्पष्ट बताना होगा कि गलवान में हुई मुठभेड़ का सच क्या है? क्या चीन ने गलवान घाटी में उसी तरह कब्जा कर लिया था, जैसे हमने चुशूल की टेकरियों पर कर लिया है? चीन कह सकता है कि जैसे आप मानते हैं कि आपके कब्जे से आपने वास्तविक नियंत्रण रेखा का कोई उल्लंघन नहीं किया है, वैसे ही हमने भी गलवान घाटी में कोई सीमा नहीं लांघी है। जाहिर है कि चीन ने अप्रैल माह तक ऐसी कई जगहों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। संसद में विरोधी पूछेंगे कि चीनी जब ऐसी हरकतें कर रहे थे, तब क्या हमारी सरकार सो रही थी? उसने तत्काल जवाबी कार्रवाई क्यों नहीं की? हो सकता है कि कब्जे की ये कार्रवाइयां वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथवाले उन इलाकों में हुई हों, जो दोनों तरफ खाली रखे जाते हैं। दूसरे शब्दों में दोनों देशों के बीच जो झंझट चल रहा है, वह नकली है, तात्कालिक है, आकस्मिक है और स्थानीय है। उसे अब दोनों देश बैठकर सुलझा सकते हैं। जब बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल के साथ सीमा-विवादों को कुछ ले-देकर सुलझाया जा सकता है तो चीन के साथ क्यों नहीं सुलझाया जा सकता है? यदि चीनी रक्षा मंत्री हमारे रक्षामंत्री से बार-बार मिलने का अनुरोध कर सकता है और उनसे मिलने के लिए उनके होटल में आ सकता है तो सारे विवाद को आसानी से हल भी किया जा सकता है।

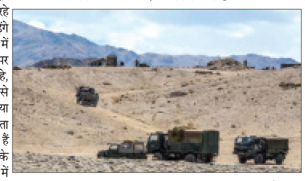

बेपटरी हुई है अर्थव्यवस्था पलटी नहीं

ऋतुपर्ण दवे

जीडीपी अभी माइनस 23.9 प्रतिशत पर है जिससे उबरने के लिए पहले तो माइनस से शून्य पर आना पड़ेगा और फिर शून्य से आगे का सफर शुरू होगा। निश्चित रूप से भारत की जीडीपी में अनुमान से बहुत ज्यादा ऐतिहासिक गिरावट हुई जो कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए लगे सख्त लॉकडाउन के चलते हुआ क्योंकि बिना पूर्व तैयारी एकाएक सारे के सारे कारोबार बंद कर दिए गए। करीब 14 करोड़ नौकरियां चली गई। इसलिए गिरावट तय थी क्योंकि हमारा लॉकडाउन दुनिया में सबसे सख्त था जिसकी कीमत भी अच्छी खासी चुकाई जो मौजूदाआंकड़ा बताता है।

भारत की अर्थव्यवस्था इस सदी के सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। इसको लेकर चिन्ता स्वाभाविक है। वैश्विक महामारी के बीचतमाम विकसित देशों का भी यही हाल है। इसका मतलब यह नहीं कि जो दुनिया का हाल है वही हमारा रहे और चुप बैठ जाएं। अचानक आई इस मुसीबत से निपटने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। लेकिन हालात और कोशिशों के बीच का फर्क अर्थशास्त्र के डिमाण्ड और सप्लाई के सिध्दांत की याद दिलाता है। जब सारी गतिविधियां ही तालाबन्दी के चलते ठप्प पड़ जाए तो फिर रोजगार, अर्थव्यवस्था और जीडीपी (ग्रॉस डोमेस्टिक प्रॉडक्ट) यानी सकल घरेलू उत्पाद में वृध्दि की बात बेमानी हो जाती है। यही भारत में हुआ। जीडीपी यानीपूरे देश भर में कुल मिलाकर जितना भी कुछ बन रहा है, बिक रहा है, खरीदा-बेचा जा रहा यानी लिया-दिया जा रहा है उसका जोड़ होता है जीडीपी। जाहिर है इसमें वृध्दि देश की तरक्की का पैमाना होता है। यह अलग-अलग सेक्टरों में कहीं कम कहीं ज्यादा होता है। लेकिन कुल मिलाकर जीडीपी जितनी बढ़ेगी देश की आर्थिक मजबूती व दुनिया में अपनी खास जगह बनाने के लिए बेहतर होगी। ज्यादा जीडीपी से सरकार को ज्यादा टैक्स मिलेगा, ज्यादा कमाई होगी।सरकार के पास तमाम कामों पर और जिन्हें मदद की जरूरत उन पर ज्यादा पैसे खर्च करने की ताकत बढ़ती है। लेकिन, जब यही थम जाएगी तो सारा का सारा आर्थिक तंत्र चरमराना स्वाभाविक है। भारत में यही हुआ।

हमारी अर्थव्यवस्था 40 सालों के सबसे बुरे मंदी के दौर में है। अप्रैल से जून की पहली तिमाही में जीडीपी बढ़ने के बजाए माइनस 24 प्रतिशत लुढ़क गई जो बहुत ही चिन्ताजनक है। जो स्थिति दिख रही है उसमें अगली तिमाही यानी जुलाई से सितंबर के बीच भी हालात यही रहेंगे। क्योंकि इस अवधि के दो महीने से ज्यादा का वक्त बुरे हाल में बीत चुका है और हालात सामने हैं। हाँ, यह पहला मौका जरूर है जब अर्थव्यवस्था पर मंदी का साया कमजोर मानसून, सूखा या अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दामों में वृध्दि से न आकर महामारी से आया। ऐसा आया कि सारी कारोबारी गतिविधियां ठप्प करनी पड़ गई। ये स्वाभाविक भी था कि जो नतीजा तय था वही आया। स्वतंत्रता के बाद से 1980 तक ऐसे पांच मौके देश ने देखे हैं इसमें सबसे बुरा दौर 1979-80 का था जब यह 5.2 प्रतिशत गिरी थी। लेकिन बाद की दो आर्थिक मंदी और भी जबरदस्त थी जो वर्ष 1991 और 2008 की है। हालांकि 1991 की मंदी के पीछे आंतरिक कारण थे, लेकिन 2008 में वैश्विक मंदी ने प्रभावित किया। 1991 में हमारे सामने भुगतान संकट था। आयात में भारी गिरावट आई और देश दो तरफा घाटे में चला गया। व्यापार संतुलन गड़बड़ा गया, सरकार बड़े राजकोषीय घाटे में थी। खाड़ी युद्ध में 1990 के अंत तकस्थिति इतनी बिगड़ी कि भारतीय विदेशी मुद्रा भंडार केवल तीन हफ्तों के आयात लायक बचा था। सरकार कर्ज चुकाने में असमर्थ थी। नतीजन तत्कालीन प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर की सरकार बजट तक नहीं पेश कर पाई और सरकार को भुगतान पर चूक से बचने हेतु सोनातक गिरवी रखना पड़ा था। रुपये की कीमत तेजी से घटी और चालू खाते के घाटा बढ़ता चला गया। नतीजन निवेशकों के भारत के प्रति घटते भरोसे से रुपये की विनिमय दर में कमी आई। 2008 की मंदी के दौर में दुनिया के साथ व्यापार काफी घटा और आर्थिक तरक्की घटकर 6 फीसदी से नीचे चली गई। 2008 की मंदी को वैश्विक कारण माना गया था। हालांकि अर्थव्यवस्था ने जल्द ही गति भी पकड़ ली थी। लेकिन मौजूदा मंदी को लेकर अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यह आर्थिक नरमी करीब दो साल पहले से बनी हुई है और जल्द दूर होने के संकेत भी नहीं मिल रहे हैं।

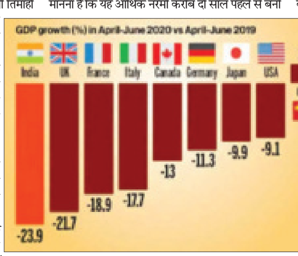

जीडीपी अभी माइनस 23.9 प्रतिशत पर है। जिससे उबरने के लिए पहले तो माइनस से शून्य पर आना पड़ेगा और फिर शून्य से आगे का सफर शुरू होगा। निश्चित रूप से भारत की जीडीपी में अनुमान से बहुत ज्यादा ऐतिहासिक गिरावट हुई जो कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए लगे सख्त लॉकडाउन के चलते हुआ। क्योंकि बिना पूर्व तैयारी एकाएक सारे के सारे कारोबार बंद कर दिए गए। करीब 14 करोड़ नौकरियां चली गई। इसलिए गिरावट तय थी क्योंकि हमारा लॉकडाउन दुनिया में सबसे सख्त था जिसकी कीमत भी अच्छी खासी चुकाई जो मौजूदा आंकड़ा बताता है। लेकिन सच है कि तब भी कोई विकल्प नहीं था और न अब भी कोई विकल्प नहीं है। तब कोरोना वायरस न फैले इस पर फोकस था और अब भारत में ही दिन प्रतिदिन बनते विश्व रिकॉर्ड मुसीबत बने हुए हैं। एक दिन में 80 से 90 हजार संक्रमितों के मिलने से अर्थव्यवस्था पर भारी कोरोना की जंग जल्द थमती नहीं दिखती। लेखा महानियंत्रक द्वारा जारी आंकड़े बताते हैं कि हमारा राजकोषीय घाटा अप्रैल-जुलाई की अवधि में ही पूरे साल के बजट अनुमानों के 103 प्रतिशत तक पहुंच गया है। जिससेअर्थव्यवस्था पर महामारी का नकारात्मक प्रभाव भी दिखा। इससे राजस्व संग्रह भी जबरदस्त घटा और टैक्स कलेक्शन में इस साल अकेले अप्रैल-जुलाई की अवधि में पिछले साल के मुकाबले 42 प्रतिशत की कमी आ गई।

दरअसल जीडीपी के आंकड़ों को आठ अलग-अलग सेक्टरों से इकट्ठा किया जाता है। ये हैं कृषि, मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रिसिटी, माइनिंग, क्वैरीइंग, गैस सप्लाई, होटल, कंस्ट्रक्शन, ट्रेड और कम्युनिकेशन, वानिकी और मत्स्य, फाइनेंसिंग, रियल एस्टेट और इंश्योरेंस, बिजनेस सर्विसेज और कम्युनिटी, सोशल और सार्वजनिक सेवाएं शामिल हैं। सिवाए कृषि सेक्टर को छोड़ जहां 3.4 प्रतिशत की वृध्दि दर्ज की गई, हर कहीं गिरावट और कहीं-कहीं जबरदस्त गिरावट दिखी। सारे के सारे सेक्टर कहीं न कहीं एक दूसरे से जुड़े या संबंधित हैं। जैसे कारखानों में ताला लगने से बिजली की खपत कम हुई और सप्लाई नहीं होने से ट्रांसपोर्ट, कम्युनिकेशन, इंश्योरेनस प्रभावित हुआ। सीमेंट से निर्माण सेक्टर, सार्वजनिक यातायात से टूरिज्म और होटल व्यवसाय यानी कुल मिलाकर पूरी की पूरी व्यावसायिक चौन ही ठप्प हो गई। हर तरह के कारोबार रुक से गए और इस तरह औसतन 40 से 50 प्रतिशत के बीच गिरावट आ गई। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि इस गिरावट के लिए अकेले महामारी या तालाबन्दी को ही जिम्मेदार ठहराया जाए। सच तो यह है कि हमारी अर्थव्यवस्था बीते कुछ वर्षों से लगातार सुस्ती के दौर में थी और इसी बीच कोरोना महामारी से उत्पन्न हुए हालातों ने आग में घी का काम कर दिया। नतीजा जीडीपी के आंकडों ने बजाए उछाल के माइनस का ऐसा गोता लगाया कि अर्थव्यवस्था की चूलें हिल गई। अप्रैल से जून यानी मोटे तौर पर महज 70 से 90 दिनों के गतिरोध ने अर्थव्यवस्था के हालातों को बद से बदतर कर दिया। लॉकडाउन के दौरान खाने-पीने की चीजों और आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई को छोड़कर बाकी सभी आर्थिक गतिविधियाँ ठप रही हैं।

दुनिया पर नजर डालें तो सिवाय चीन के अमेरिका, जापान समेत कई देशों की जीडीपी अब भी माइनस में है। जबकि साल के शुरू में चीन में भी 6.8 प्रतिशत की गिरावट थी। जिसे दूसरी ही तिमाही में उसने सुधार कर 3.2 प्रतिशत पर ले आया।वहीं इसी दौरानअमेरिका में 32.9, यूनाइटेड किंगडम में 20.4, इटली में 12.4, फ्रान्स में 13.8, कनाडा में 12, जर्मनी में 10.1, जापान में 7.8 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। यहां भी चीन की चालाकी दिखी। सिवाय वुहान के चीन ने अपनी पूरी व्यापारिक गतिविधियां चालू रखीं। जबकि पूरी दुनिया लॉकडाउन की ओर बढ़ रही थी। वैश्विक महामारी के बीच चीन की ऐसी चालाकी से अक्सर दुनिया के सामने युध्द का खतरा भी दिखने लगता है। एक ओर अमेरिका दुनिया का दारोगा बनना चाहता है तो चीन सेठ। ऐसे में दोनों के बीच की होड़ में बांकी दुनिया फंसकर रह जाती है। कोई अपना सामान बेचना चाहता है तो कोई युध्द का भय दिखा हथियारों की आड़ में कारोबार कर रहा है। मकसद दोनों के एक हैं। ऐसी दशा में भारत को आपदा में अवसर ढूंढना ही होगा ताकि कोरोना के संग जीकर भी दुनिया में अपनी धमक और चमक बनाए रखे और इस बरस न सही अगले कुछ बरसों में 5 ट्रिलियन की इकॉनामी का प्रधानमंत्री का सपना पूरा हो सके।

स्वास्थ्य तंत्र में सुधार की जरूरत

कोविड के संकट ने देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा प्रकाशित नेशनल हेल्थ एकाउंट 2018 के अनुसार सरकार ने 2015-16 में स्वास्थ्य पर कुल 48000 करोड़ रुपए खर्च किए थे। इसमें से 9000 करोड़ सरकारी कर्मियों के स्वास्थ्य पर और 39000 करोड़ रुपए शेष जनता के स्वास्थ्य पर खर्च किए गए। केंद्र सरकार के कर्मियों की संख्या लगभग 31 लाख है। इनके परिजनों को जोड़ लें तो 1.5 करोड़ सरकारी कर्मी लाभान्वित हुए होंगे। इनमें प्रत्येक पर 6000 रुपए प्रति वर्ष का केंद्र सरकार ने खर्च किया। इनकी तुलना में आम जनता पर, जैसा ऊपर बताया गया है, 39000 करोड़ रुपए खर्च किए गए जिससे 131 करोड़ लोग लाभान्वित हुए। प्रति व्यक्ति लगभग 300 रुपए प्रति वर्ष खर्च किए गए। इस प्रकार केंद्र सरकार द्वारा सरकारी कर्मियों के स्वास्थ्य पर छह हजार रुपए प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष खर्च किया जा रहा है, जबकि आम आदमी पर 300 रुपए प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति। सरकारी स्वास्थ्य तंत्र का मूल उद्देश्य सरकारी कर्मियों को स्वास्थ्य सेवा देना मात्र रह गया है। जनता से इन्हें सरोकार कम ही है। स्वास्थ्य खर्चों का दूसरा आयाम 'उपचार' बनाम 'निरोध' अथवा 'प्रिवेंटिव' का है। सरकार के स्वास्थ्य खर्च दो प्रकार के होते हैं। बीमारी लगने के बाद जब आप अस्पताल में जाते हैं और वहां आपको भरती किया जाता है और दवाएं दी जाती हैं तो उसे 'उपचार' की श्रेणी में रखा जाता है। तुलना में सिगरेट नहीं पीना, टीकाकरण, कैंसर का टेस्ट करना इत्यादि कार्यों को 'निरोधक' गतिविधियां कहते हैं। इन गतिविधियों से उपचार में खर्च कम करना होता है, जैसे यदि सरकार सिगरेट पीने के दुष्प्रभावों पर जनता को आगाह करे तो कैंसर कम होगा और कैंसर के उपचार में खर्च भी कम करना होगा। यदि निरोध सही मायने में किया जाए तो उपचार पर खर्च उसी अनुपात में कम हो जाता है। इस दृष्टि से देखें तो वर्ष 2015-16 में सरकार के कुल 48000 करोड़ खर्च में से उपचार पर 36000 करोड़ और निरोध पर मात्र 12000 करोड़ रुपए खर्च किए गए। इस प्रकार हम एक दुष्चक्र में फंस गए हैं। निरोध पर खर्च कम होने के कारण रोग बढ़ रहे हैं और रोग बढ़ने से उपचार पर खर्च अधिक किया जा रहा है और तदनुसार निरोध पर खर्च कम किया जा रहा है।

स्वास्थ्य खर्चों का तीसरा आयाम एलोपैथिक बनाम आयुर्वेद, होम्योपैथी इत्यादि उपचार विधियों का है। वर्ष 2020-21 के बजट में एलोपैथी के लिए 63000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए, जबकि दूसरी स्वास्थ्य पद्धतियों जिन्हें आयुष के नाम से जाना जाता है, उन पर केवल 2100 करोड़ रुपए। एलोपैथी का स्वभाव रोग होने के बाद उसके उपचार करने का है जबकि आयुर्वेद और होम्योपैथी इत्यादि का स्वभाव व्यक्ति के शरीर की मौलिक विसंगतियों को दूर करके उसे स्वस्थ बनाने का है, जिससे कि रोग उत्पन्न ही न हो। सरकार ने आयुष पर खर्च कम करके यह सुनिश्चित किया है कि लोगों के शरीर कमजोर बने रहें, उन्हें रोग ज्यादा लगें और उनके उपचार की मांग बढ़े, जिससे उपचार पर खर्च बढ़ने का आधार बना रहे।

चौथा आयाम एलोपैथी में भी हाईटेक उपचार जैसे हृदय में स्टंट लगाना बनाम सामान्य उपचार जैसे खांसी और ठंड की दवा देने का है। नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पालिसी के गोविंदा राव ने 'हेल्थ केयर रिफार्म' नाम से 2012 में एक पर्चा प्रकाशित किया था। इन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति में कहा गया था कि हाईटेक उपचार में कुल खर्च का केवल 10 प्रतिशत खर्च किया जाएगा। लेकिन वास्तव में यह 28 प्रतिशत है। इसमें उपचार, जैसे हृदय में स्टंट लगाना या घुटने का प्रत्यारोपण करना इत्यादि शामिल हैं। इन हाईटेक उपचारों में डाक्टरों को भारी आमदनी होती है, इसलिए सरकारी डाक्टरों का रुझान इस प्रकार के उपचार की ओर अधिक होता है और खांसी की दवा बांटने की ओर कम। निरोधक कार्यों से तो ये परहेज करना चाहते हैं, चूंकि इस कार्य में आमदनी नहीं होती है। सरकारी अस्पतालों में हाईटेक उपचारों में दक्षता हासिल करने के बाद सरकारी डॉक्टर प्राइवेट प्रैक्टिस से भारी रकम अर्जित करते हैं। इस प्रकार सरकारी स्वास्थ्य खर्च डाक्टरों की आमदनी के रास्ते खोलने के लिए किए जा रहे हैं, न कि जनता के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए। पांचवां आयाम है कि सरकारी खर्चों का बड़ा हिस्सा स्वास्थ्य कर्मियों के वेतन में खप जा रहा है। गोविंदा राव द्वारा बताया गया कि मध्य प्रदेश और उड़ीसा में राज्य सरकार द्वारा खर्च किए जाने वाले खर्च का 83 प्रतिशत सरकारी कर्मियों के वेतन में खप जाता है। अन्य, दवा इत्यादि के लिए आवंटन हो ही नहीं पाता है। इन कर्मचारियों को दिए जाने वाला वेतन भी व्यर्थ ही जाता है जैसे किसान को फावड़ा न दिया जाए और खेती करने को कहा जाए। इन तमाम अव्यवस्थाओं को पटरी पर लाने के लिए सरकार को पहला कदम यह उठाना चाहिए कि सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ सर्विस सरकारी कर्मियों तक सीमित करने के स्थान पर सभी जनता के लिए खोल देना चाहिए। नीति आयोग के सलाहकार राकेश सरवाल ने यह सुझाव दिया है जिस पर सरकार को अमल करना चाहिए।

दूसरा कदम यह कि स्वास्थ्य खर्चों में निरोधक गतिविधियों और आयुष पर खर्च बढ़ाना चाहिए और हाईटेक उपचार पर घटाना चाहिए। तीसरे, सरकार को स्वास्थ्य खर्चों में वेतन की अधिकतम सीमा निर्धारित करनी चाहिए और उस सीमा से अधिक वेतन देय होने पर वेतन में उसी अनुपात में कटौती कर देनी चाहिए। हमें अपनी जीवन शैली पर भी विचार करना चाहिए। उत्तर प्रदेश सरकार की वेबसाइट पर वैद्य वाचस्पति त्रिपाठी के हवाले से प्रकाशित पत्रक में कहा गया है कि कुंभ स्नान के दौरान करोड़ों लोगों के गंगा में स्नान करने से गंगा के जल में सूक्ष्म मात्रा में तमाम प्रकार के रोग के बैक्टीरिया फैल जाते हैं। दूसरे, तीर्थ यात्री जब उसी गंगा में स्नान करते हैं तो सूक्ष्म मात्रा में यह बैक्टीरिया उनके शरीर में प्रवेश करते हैं और जिस प्रकार टीकाकरण से व्यक्ति की निरोधक शक्ति बढ़ती है, उसी प्रकार कुंभ में स्नान करने से व्यक्ति की निरोधक शक्ति बढ़ जाती है। इसलिए साधु लोग मानते हैं कि एक बार कुंभ में नहा लो तो तीन साल के लिए रोग से छुट्टी। इस प्रकार की खर्च रहित सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ाना देना चाहिए। परंतु इन सब सुधारों को करने में डाक्टरों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों का गठबंधन आड़े आता है। कोविड संकट के इस दौर में डाक्टर बधाई के पात्र हैं। फिर भी सरकार को स्वास्थ्य तंत्र की इन मौलिक विसंगतियों को दूर करने के लिए कारगर कदम तत्काल उठाने चाहिएं।

भरत झुनझुनवाला, आर्थिक विश्लेषक

ईर्ष्या से इतनी पीड़ा क्यों होती है ?

ईर्ष्या तुलना है। और हमें तुलना करना सिखाया गया है, हमनें तुलना करना सीख लिया है, हमेशा तुलना करते हैं।किसी और के पास ज्यादा अच्छा मकान है, किसी और के पास ज्यादा सुंदर शरीर है, किसी और के पास अधिक पैसा है, किसी और के पास करिश्माई व्यक्तित्व है। जो भी तुम्हारे आस-पास से गुजरता है उससे अपनी तुलना करते रहो, जिसका परिणाम होगा, बहुत अधिक ईर्ष्या की उत्पत्तिय यह ईर्ष्या तुलनात्मक जीवन जीने का बाइ प्रोडक्ट है।

अन्यथा यदि तुम तुलना करना छोड़ देते हो तो ईर्ष्या गायब हो जाती है। तब बस तुम जानते हो कि तुम तुम हो, तुम कुछ और नहीं हो, और कोई जरूरत भी नहीं है।अच्छा है तुम अपनी तुलना पेड़ों के साथ नहीं करते हो, अन्यथा तुम ईर्ष्या करना शुरू कर दोगे कि तुम हरे क्यों नहीं हो? और अस्तित्व तुम्हारे लिए इतना कठोर क्यों है? तुम्हारे फूल क्यों नहीं हैं? यह अच्छा है कि तुम अपनी तुलना पक्षियों, नदियों, पहाड़ों से नहीं करते हो, अन्यथा तुम्हें दुख भोगना होगा। तुम सिर्फ इंसानों के साथ तुलना करते हो, क्योंकि तुमने इंसानों के साथ तुलना करना सीखा हैय तुम मोरों और तोतों के साथ तुलना नहीं करते हो। अन्यथा

तुम्हारी ईर्ष्या और भी ज्यादा होगीरू तुम ईर्ष्या से इतना दबे होओगे कि तुम थोड़ा भी नहीं जी पाओगे।

तुलना बहुत ही मूर्खतापूर्ण वृत्ति है, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति अनुपम और अतुलनीय है। एक बार यह समझ तुम में आ जाए, ईर्ष्या गायब हो जाएगी। प्रत्येक अनुपम और अतुलनीय है। तुम सिर्फतुम होरू कोई भी कभी भी तुम्हारे जैसा नहीं हुआ, और कोई भी कभी भी तुम्हारे जैसा नहीं होगा। और न ही तुम्हें भी किसी और के जैसा होने की जरुरत है।

चीन से दो-दो हाथ करने को तैयार है नया भारत

भारत के नए और आक्रामक तेवर को भी देख रहा चीन। उसे अब अच्छी तरह से समझ आ रहा है कि अब भारत भी उसकी गर्दन में हाथ डालकर जमीन में गिराने का जज्बा और शक्ति रखता है। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथसिंह ने रूस की राजधानी मॉस्को में विगत चार सितंबर को चीन के रक्षा मंत्री वेई फेंघे से मुलाकात के दौरान उन्हें साफ-साफ समझा दिया कि उनका देश भारत के साथ अकारण पंगा ले रहा है। इस तरह से पंगा लेने से चीन का नुकसान हो सकता है। दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों की वार्ता की जो तस्वीरें मीडिया में आई उन्हें देखकर भी साफ लग रहा है कि भारत अब रक्षात्मक नीति को छोड़ चुका है। राजनाथ सिंह के हावभाव और चीन के रक्षा मंत्री के चेहरे की चिंता सभी टेलीविजन चौनलों पर देख रहे थे।

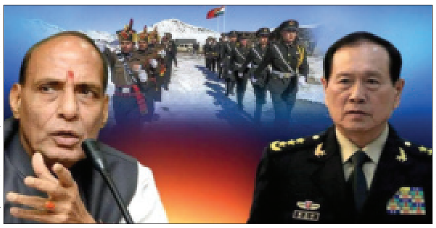

मतलब साफ है कि भारत की 'अपनी संप्रभुता और सीमा की रक्षा के लिए प्रतिबद्धता पर भी किसी को संदेह नहीं होना चाहिए।' दरअसल राजनाथ सिंह तो चीन से बातचीत के लिए तैयार ही नहीं थे। क्योंकि, चीन का रवैया हाल के दिनों में बेहद निराशाजनक रहा है। उसने भारत के साथ न तो पड़ोसी धर्म का और न ही मित्र धर्म का निर्वाह किया। वह कोरोना काल जैसे कठिन दौर में भी लाइन ऑफ ऐक्कुअल कंट्रोल (एलएसी) के नजदीक बड़ी संख्या में सैनिकों की तैनाती करता रहा है। ये दोनों देशों के बीच बनी आम सहमति का खुलेआम उल्लंघन है।

देखिए लोकतंत्र में आपसी मतभेद तो होते ही रहते है। भारत में भी पक्ष और विपक्ष में अनेक मसलों पर एक राय कभी नहीं बन पाती है। पर देश की अखंडता के सवाल पर तो सारा देश लगभग एक है। इस बाबत कहीं कोई अलग राय नहीं है। पूरा देश ही इस समय पूरी एकजुटता और शक्ति के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर कदम पर कदमताल को तैयार है। इसलिए चीन को समझाना चाहिये कि अब भारत 1962 वाला भारत तो कतई ही नहीं रहा। अब ईंट का जवाब उसे पत्थर से मिलेगा।

सन 1962 से ही भारत के लाखों वर्ग किलोमीटर के बहुत बड़े जमीन के हिस्से को कब्जा कर बैठा धूर्त चीन भारत से लगती (एलएसी) पर फिर अतिक्रमण करने की चेष्टा करता रहा है। भारत भी तत्काल ही बिना समय गंवाये उसकी हरकतों का लगातार मुंहतोड़ जवाब भी दे रहा है। इसलिए अब चीन भी सीमा विवाद को बातचीत से सुलझाने को तैयार भी हो गया है। इसलिए ही चीन ने राजनाथ सिंह से बातचीत का आग्रह किया था। चीन से लगती सीमा पर भारतीय सेना आज के दिन मुस्तैदी से तैनात है। चीन परेशान इसलिए है क्योंकि भारत और अमेरिका करीब आते जा रहे हैं।

कोरोना काल के बाद आर्थिक नुकसान झेल रहा चीन भी यह बर्दाश्त करने को तैयार नहीं कि वहां से कारोबार समेट कर कई बडे कारोबारी भारत का रुख कर लें। अमेरिका आज हर अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत की पैरोकारी करता नजर आ रहा है. चीन की विस्तारवादी कूटनीति इसे सहन नहीं कर पा रही। इसलिए ही वह बेहद परेशान है। दोनों देशों के बीच 4048 किलोमीटर में फैली लम्बी सीमा हैं। इसमें वेस्टर्न सेक्टर (लद्दाख), मिडिल सेक्टर (उत्तराखंड, हिमाचल), और ईस्टर्न सेक्टर (सिक्किम, अरुणाचल) शामिल हैं। अब भारत चीन से रणभूमि और कूटनीति दोनों स्तरों पर दो-दो हाथ करने के लिए तैयार है।

इस बीच, भारत चीन के खिलाफ सन 1962 और फिर 1965, 1971 और कारगिल में पाकिस्तान के विरूद्ध जंगों में एक साथ खड़ा था। कहीं कोई राजनीति नहीं थी। राजनीतिक मतभेद और वैचारिक मतभिन्नताओं के लिए कोई जगह नहीं रही थी। चीन ने 1962 की जंग के बाद हमारी भूमि पर कब्जा जमा लिया था। तब देश की संसद ने 14 नवंबर,1962 को उस प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित किया, जिसमें चीन द्वारा हड़पी गई भारतीय भूमि को वापस लेने का राष्ट्रीय संकल्प था।

प्रस्ताव को 8 नवंबर,1962 को लोकसभा में रखा गया था। प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने ही यह प्रस्ताव रखा था। चीन ने 1962 की जंग में अक्सईचिन को कब्जा लिया था। प्रस्ताव में कहा गया था- 'ये सदन पूरे विश्वास के साथ भारतीय जनता के संकल्प को दोहराना चाहता है कि भारत की पवित्र भूमि पर से आक्रमणकारी को खदेड़ दिया जाएगा। इस बाबत भले ही कितना लंबा और कठोर संघर्ष करना पड़े.'।

सन 1971 के युद्ध में पाकिस्तान को धूल चटाई थी हमने। तब भी देश एक साथ खड़ा था। यानी देश हित पर आंच आने पर देश एक रहा। देश की एकता, अखंडता और विकास के मार्ग में आने वाली किसी भी शक्ति को देश पूरी ताकत से धूल में मिला देगा।

कितना खास संसद का मानसून सत्र

जिस संसद ने चीन के विरूद्ध और फिर पाकिस्तान द्वारा कब्जाए हुए पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर(पीओके) को वापस लेने के सवाल पर 1994 में सर्वानुमति से प्रस्ताव पारित किए, उसी संसद का मानसून सत्र आगामी 14 सितंबर से शुरू हो रहा है। कोरोना काल में संसद सत्र का आयोजन वास्तव में चुनौतीपूर्ण रहेगा। इस दौरान निश्चित रूप से अन्य मसलों के अलावा चीन के साथ भारत के मौजूदा तनावपूर्ण संबंधों पर बहस होगी। विपक्ष चाहें तो सरकार को मंहगाई, बेरोजगारी, करप्शन, किसानों से जुड़े मसलों पर सराकर को घेरे।

सरकार से सवाल पूछे, उसे ये हक भी है। जैसा कि हम जानते भी हैं कि संसदीय लोकतंत्र में तीन डी अहम होते हैं। डिबेट (चर्चा), डिस्सेंट (असहमति) और डिसीजन (निर्णय)। संसद सत्र के समय विपक्ष इन लोकतांत्रिक हथियारों का इस्तेमाल करे। पर अब उपर्युक्त तीन डी में एक डी और जुड़ गया है। इसका मतलब है डिसरप्शन यानि (हंगामा), इसे तो हटाना ही होगा। मौजूदा वक्त में देश के सामने ये भी चुनौती है नए-नए रोजगार के अवसर पैदा हों, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर को खड़ा किया जाए, देश के सभी भागों में नए-नए शिक्षण संस्थान खुलें, समाज के अंतिम जन को भी विकास का लाभ मिले।

आरके सिन्हा

याद रखना होगा कि संसद में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तनावपूर्ण माहौल होने से देश के शत्रु ही तो खुश होंगे। वे तो चाहते भी हैं कि भारत कमजोर और पिलपिता हो। इसलिए ही देश में धर्म के नाम पर सुनियोजित दंगे करवाए जाते हैं, तोड़फोड़ की जाती है और सरकारी संपति को नष्ट किया जाता है। देश को अपने अंदर और बाहर के शत्रुओं को पहचाना और कुचलना ही होगा।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तभकार और पूर्व सांसद हैं)

वजन कम करने की इच्छा रखते हैं तो नाश्ते में इन 4 चीजों से करें परहेज

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं और साथ ही यह भी सोचते हैं कि ब्रेकफास्ट स्किप कर आप ऐसा कर सकते हैं तो आपकी यह इच्छा कभी पूरी नहीं होने वाले क्योंकि विभिन्न अध्ययनों के जरिए यह प्रमाणित किया जा चुका है कि वजन करने के लिए आपको ब्रेकफास्ट, जिसे दिन का सबसे जरूरी आहार कहा जाता है, स्किप नहीं बल्कि उसमें सही सामग्रियों को शामिल करना चाहिए। अगर आप ब्रेकफास्ट में सही चीजों का चुनाव करते हैं तो ना सिर्फ आप दिनभर ऊर्जावान रहते हैं बल्कि यह वजन कम करने में भी आपकी सहायता करता है।

ब्रेकफास्ट में प्रोटीन को शामिल कर आप आसानी से वजन कम कर सकते हैं वहीं कुछ चीजें ऐसी हैं जिन्हें इस मील के दौरान पूरी तरह नकार देना चाहिए... वैसे तो सामनय तौर पर भी इन चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए लेकिन ब्रेकफास्ट के लिए तो ये चीजें पूरी तरह 'नो' हैं।

सब्जियों या फलों का जूस

अगर आपको लगता है कि सुबह खाली पेट केवल जूस पीकर आप अपना वजन कम कर लेंगे तो आपको अपनी यह मानसिकता बदलने की जरूरत है.. इसमें भले ही बहुत से पोषक तत्व होते हैं लेकिन ना तो जूस में फाइबर होता है और ना ही प्रोटीन.. जो ब्रेकफास्ट के लिए बहुत जरूरी है। फलों का जूसकेवल आपकोकैलोरी ही प्रदान करता है।

कैंड या प्रोसेस्ड फूड

सुबह के खाने में आपको ऐसे किसी भी भोजन से परहेज करना चाहिए जो पैक्ड होकर आपके पास आए हैं... इसमें चिप्स, पॉपकॉर्न या अन्य स्नैक्स के साथ-साथ ड्राइ फ्रूट्स भी शामिल है।

केक या बिस्किट

बहुत से लोग सुबह नाश्ते में मीठा खाना पसंद करते हैं .. इसलिए वे कॉफी या चाय के साथ केक या बिस्किट लेते हैं। ध्यान रहें इनमें तेल और फैट बड़ी मात्रा में होता है जबकि प्रोटीन और फाइबर एकदम जीरो।

तला हुआ भोजन

हालांकि तला हुआ या भारी भोजन सुबह के खाने में ही लियाजाना चाहिए ताकि उसे दिनभर आसानी से पचा लिया जाए लेकिन वे लोग जो वजन कम करने की ख्वाहिश रखते हैं उन्हें इन सभी चीजों से पूरी तरह परहेज करना चाहिए।

मौत में अपना अस्तित्व तलाशता मीडिया

आजकल जब टीवी ऑन करते ही देश का लगभग हर चौनल 'सुशांत केस में नया खुलासा' या फिर 'सबसे बड़ी कवरेज' नाम के कार्यक्रम दिन भर चलाता है तो किसी शायर के ये शब्द याद आ जाते हैं, 'लहू को ही खाकर जिए जा रहे हैं, है खून या कि पानी, पिए जा रहे हैं।'

ऐसा लगता है कि एक फिल्मी कलाकार मरते मरते इन चौनलों को जैसे जीवन दान दे गया। क्योंकि कोई इस कवरेज से देश का नंबर एक चौनल बन जाता है तो कोई नम्बर एक बनने की दौड़ में थोड़ा और आगे बढ़ जाता है। लेकिन क्या खुद को चौथा स्तंभ कहने वाले मीडिया की जिम्मेदारी टीआरपी पर आकर खत्म हो जाती है? देश दुनिया में और भी बहुत कुछ हो रहा है। क्या उसे देश के सामने लाना उनकी जिम्मेदारी नहीं है? खास तौर पर तब जब वर्तमान समय पूरी दुनिया के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण है। एक ओर लगभग आठ महीनों से कोरोना नामक महामारी ने सम्पूर्ण विश्व में अपने पैर पसार रखे हैं। तो दूसरी ओर वैज्ञानिकों के तमाम प्रयासों के बावजूद अभी तक इसके इलाज की खोज अभी जारी है। परिणामस्वरूप इसका प्रभाव मानव जीवन के विभिन्न आयामों से लेकर तथाकथित विकसित कहे जाने वाले देशों पर भी पढ़ा है। देशों की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ परिवारों की अर्थव्यवस्था भी चरमरा रही है। कितने ही लोगों को अपनी नौकरियों से हाथ धोना पड़ा है तो कितने ही व्यापारियों के काम धंधे चौपट हैं। ऐसे हालातों में कितने लोग अवसाद का शिकार हुए और कितनों ने परिस्थितियों के आगे घुटने टेक कर अपनी जीवन लीला ही समाप्त कर ली। इन कठिन परिस्थितियों में भारत केवल कोरोना से ही नहीं लड़ रहा बल्कि एक सुनियोजित षड़यंत्र के तहत उसके कुछ पड़ोसी देश उसे सीमा विवाद में उलझा रहे हैं। एलओसी पर पाकिस्तान की ओर से गोली बारी और उसके द्वारा प्रायोजित आतंकवादी घुसपैठ के अलावा अब एलएसी पर चीन से भारतीय सेना का टकराव होने से चीन के साथ भी तनाव की स्थिति निर्मित हो गई है। इतना ही नहीं चीन की शह पर नेपाल भी भारत के साथ सीमा विवाद में उलझ रहा है।

इस बीच यह खबर भी आई कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल जून तिमाही में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट -23.9: दर्ज की गई है। लेकिन इन विषमताओं के बावजूद देश में इस आपदा को अवसर में बदलने की बहुत से कदम भी उठाए गए जैसे आत्मनिर्भर भारत की नींव और वोकल फॉर लोकल का संकल्प। इतना ही नहीं संकल्पों से आगे बढ़कर देश के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने वाले कुछ महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पूर्ण हुए और देश को समर्पित भी किए गए। जैसे, भारत व बांग्लादेश के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के लिए कोलकाता से बांग्लादेश के लिए जलमार्ग शुरू किया गया। 10171 फीट की ऊंचाई पर दुनिया की सबसे लंबी रोड टनल 'अटल रोहतांग टनल' बनकर तैयार हो गई। इससे ना सिर्फ अब लद्दाख सालभर देश से जुड़ा रहेगा बल्कि मनाली से लेह की दूरी करीब 46 किलोमीटर कम हो गई है। चेन्नई और पोर्ट ब्लेयर को जोड़ने वाली सबमरीन ऑप्टिकल फाइबर केबल की सुविधा शुरू हो गई है जिससे अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में मोबाइल और इंटरनेट कनेक्टिविटी की दिक्कत समाप्त हो जाएगी और यहाँ से बाहरी दुनिया से डिजिटल सम्पर्क करने में आसानी होगी। इसी प्रकार एशिया के सबसे बड़े सोलर पॉवर प्रोजेक्ट जो कि मध्यप्रदेश के रीवा में स्थित है उसका उद्घाटन भी हाल ही में किया गया। निसंदेह ये ना सिर्फ गर्व करने योग्य देश की उपलब्धियां हैं। बल्कि जनमानस में सकारात्मकता फैलाने वाली खबरें हैं। लेकिन शायद ही खुद को चौथा स्तंभ मानने वाली देश की मीडिया ने इन खबरों का प्रसारण किया हो अथवा किसी भी प्रकार से देश की इन उपलब्धियों से देश की जनता को रूबरू कराने का प्रयत्न किया हो। दस हजार फीट की ऊंचाई पर दुनिया की सबसे लंबी टनल जो कि सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, वो इन चौनलों के लिए चर्चा का विषय नहीं है। एशिया का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा का सयंत्र इनके आकर्षक का केंद्र नहीं है। आजादी के 74 सालों बाद तक डिजिटल रूप से अबतक कटा हुआ हमारे देश का एक अंग अंडमान निकोबार अब देश ही नहीं बल्कि दुनिया के भी संपर्क में है, इनके लिए यह कोई विशेष बात नहीं है। क्योंकि इन खबरों से इनकी टीआरपी नहीं बढ़ती। लेकिन एक फिल्मी कलाकार की मृत्यु इनके लिए बहुत बड़ा मुद्दा बन जाता है। इतना बड़ा कि 'सुबह की खबरों' से लेकर रात की 'प्राइम टाइम' तक इसी मुद्दे को लगभाग हर चौनल पर जगह मिलती है। वो अब चल दिए हैं वो अब आ रहे हैं, यही दिखा कर सब पैसा कमा रहे हैं। यह टीआरपी का खेल भी अजब है कि रिया अब घर से निकल रही हैं से लेकर रिया अब घर वापस जा रही हैं की रिपोर्टिंग बकायदा 'हम रिया की कार के पीछे हैं और आपको पल-पल की खबर दे रहे हैं' तक चलती है। व्यावसायिकता की इस दौड़ में आज किसी की मौत को ही पैसा कमाने का जरिया बनाने से भी गुरेज नहीं किया जाता। और तो और इनकी 'खोजी पत्रकारिता' जिस प्रकार से रोज 'नए खुलासे' करती है उसके आगे सभी जांच एजेंसियां भी फेल हैं। शायद इसलिए प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया ने इस मामले में विभिन्न मीडिया संस्थानों द्वारा की गई कवरेज को देखते हुए मीडिया को जांच के दायरे में चल रहे मामले को कवर करते समय पत्रकारीय आचरण के मानकों का ध्यान रखने की हिदायत दी है। अब यह तो मीडिया के समझने का विषय है कि वो मात्र एक मनोरंजन करने वाले साधन के रूप में अपनी पहचान बनाना चाहता है या फिर एक ज्ञानवर्धक शिक्षाप्रद एवं प्रमाणिक स्त्रोत के रूप में।

डॉ. नीलम महेंद्र
लेखक

न्यूज ब्रीफ

मंदिर मे चोरी करने वाले आरोपी को भेजा जेल

माही की गूंज, बड़वानी।

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सेंधवा जफर खान द्वारा पारित अपने आदेश मे मंदिर मे चोरी करने के आरोप मे आरोपी राजू उर्फरविन्द्र पिता पूजा निवासी ग्राम अजगरिया बेडा जिला बड़वानी को धारा 461 भादवि में जेल भेजा गया। अभियोजन की ओर से पैरवी संजयपाल मोरे एवं राजमलसिह अनारे सहायक जिला अभियोजन अधिकारी सेंधवा द्वारा की गई।

अभियोजन मीडिया प्रभारी सुश्री कीर्ति चौहान ने बताया कि, घटना 10 अगस्त को राजराजेश्वर मंदिर किला परिसर सेंधवा के पुजारी ने थाना सेंधवा शहर मे रिर्पोट दर्ज कराई की राजराजेश्वर मदिर के बाहर वाली गौशाल की दानपेटी से कोई अज्ञात चोर दानपेटी का ताला तोडकर उसमे रखे रूपये चुराकर ले गया है। पुलिस को अनुसंधान के दौरान ज्ञात हुआ कि, आरोपी राजू उर्फरविन्द्र ने ही राजराजेश्वर मंदिर की दानपेटी से रूपये चुराये है। पुलिस ने चोरी के आरोपी को गिरफ्तार न्यायालय मे पेश किया।

निःशुल्क बकरी पालन प्रशिक्षण 12 सितम्बर से होगा प्रारंभ

माही की गूंज, बड़वानी।

स्टार स्वरोजगार प्रशिक्षण केन्द्र बड़वानी में 12 सितम्बर से 10 दिवसीय बकरी पालन प्रशिक्षण प्रारंभ होगा। इस प्रशिक्षण में बड़वानी जिले के ग्रामीण युवक-युवतियां प्रतिभाग कर सकती है। उक्त प्रशिक्षण में प्रशिक्षणार्थियों को आवास, भोजन और प्रशिक्षण सामग्री निःशुल्क प्रदान कि जाएगी। प्रशिक्षण में सीमित सीट होने के कारण 25 प्रतिभागी ही प्रतिभाग कर सकेंगे सीमित सीट होने के कारण अपना स्थान सुनिश्चित करने हेतु जल्द आवेदन करने हेतु 'हेल्पलाइन नंबर 9589565775' पर कॉल कर सकते है।

प्रशिक्षण हेतु आवेदक को 'आधार कार्ड', (अनिवार्य), 'राशन कार्ड',(अनिवार्य), अंक सूची', (यदि उपलब्ध हो तो), 8 पासपोर्ट फ़ोटो, पेन कार्ड (यदि उपलब्ध हो तो), आय, जाति, मूल निवासी का प्रमाण पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड, समग्र आई डी, 'बैंक पासबुक लाना होगा। प्रशिक्षण के दौरान 'मास्क' पहनना, 'सोशल डिस्टेंस' का पालन करना और संस्थान द्वारा समय समय पर दिए गए निर्देशों का पालन करना अनिवार्य रहेगा

किसान रबी फसल के लिए जल्दी से खरीदे खाद - कृषि उप संचालक

माही की गूंज, बड़वानी।

जिले के किसानो को आगामी रबी मौसम में उनकी आवश्यकतानुसार रासायनिक खाद उपलब्ध कराने हेतु शासन द्वारा उर्वरकों का अग्रिम भण्डारण करवाया जा रहा है। योजना में यूरिया, डीएपी, काम्प्लेक्स व पोटाशा को शामिल किया गया है।

उप संचालक कृषि केएस खपेड़िया से प्राप्त जानकारी अनुसार किसान 15 सितम्बर तक योजना के अंतर्गत खाद प्राप्त कर सकते है। वर्तमान में विपणसंघ के डबल लॉक केन्द्रों एवं सहकारी समितियों में सभी उर्वरकों का अग्रिम भण्डारण कर लिया गया है। अतः किसान गेहूं व चना की फसल हेतु उर्वरक का अग्रिम भण्डारण कर ले।

नगर रहा बंद, आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर निकाली रैली, सौंपा ज्ञापन

दुकान में घुसकर मारपीट के बाद दो समुदायों में तनाव

- कलेक्टर, एसपी, अपर कलेक्टर, एडिशनल एसपी सहित पुरे प्रशासनिक अमले ने संभाला था मोर्चा

माही की गूंज, खरगोन।

नगर में दुकानदार द्वारा बालक को खिलौना नहीं देने की बात को लेकर दुकान में घुसकर दुकानदार के साथ मारपीट की गई। यह घटना सोमवार शाम की है। इसी घटना को लेकर मंगलवार को नगर बंद रहा। सुरक्षा व्यवस्था के लिए कलेक्टर-एसपी सहित प्रशासनिक अमला यहां पहुंचा। इस घटना से नगर में तनाव बढ़ गया। पुलिस के अनुसार 5 सितंबर को समुदाय विशेष का एक बालक जामा मस्जिद चौराहा स्थित किराना दुकान पर गिफ्ट सामान लेने गया था। उसी दौरान दुकानदार ने गिफ्ट सामान देने से मना कर दिया। इसी बात को लेकर सोमवार शाम को समुदाय विशेष के लगभग 15 से 20 लोग दुकान में घुस आए और दुकानदार सहित उसके स्वजनों के साथ मारपीट की। पुलिस ने चार लोगों की नामजद व 15 से 20 लोगों पर मुकदमा दर्ज कर मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है।

निकाली रैली, लगाए नारे

मंगलवार सुबह करीब 11 बजे आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर व्यापारी व फरियादी के स्वजन थाने पहुंचे। यहां पुलिस द्वारा आश्वासन दिया गया कि आरोपितों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा, लेकिन नामजद रिपोर्ट करने के बाद भी आरोपितों को गिरफ्तार नहीं करने पर इन लोगों ने रैली निकाल पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान जामा मस्जिद चौराहा पर दोनों समुदाय आमने-सामने हो गए। खंडवा-वडोदरा राजमार्ग पर धरने पर बैठ गए। इससे आधा घंटा राजमार्ग पर यातायात बंद रहा। मौके पर पुलिस ने पहुंचकर दोनों समुदाय के लोगों को समझाइश दी।

कलेक्टर के नाम दिया ज्ञापन

फरियादी व व्यापारियों ने इस घटना की निंदा करते हुए कलेक्टर के नाम ज्ञापन अपर कलेक्टर बीएस सोलंकी को सौंपा। इसमें कहा कि नामजद एफआईआर दर्ज होने के बाद भी पुलिस अब तक आरोपितों को नहीं पकड़ पाई। फरियादी शशिदेवी जायसवाल ने बताया कि उनके परिवार के साथ मारपीट की गई। अभद्र व्यवहार किया। साथ ही गाली गलौच भी की गई। आरोपितों को जल्द गिरफ्तार किया जाए। वहीं मंगलवार दोपहर कलेक्टर अनुग्रहा पी., एसपी शैलेंद्र चौहान, एडिशनल एसपी जितेंद्रसिंह, अपर कलेक्टर बीएस सोलंकी, एसडीएम राहुल चौहान, नायब तहसीलदार ममता मिमरोट भी यहां पहुंचे।

आठ थाने से पहुंचे 123 जवान

तनाव अधिक बढ़ता देख आठ थानों चैनपुर, गोगावां, डीआरपी खरगोन, खंडवा, सनावद, धरमपुरी व खलघाट से आठ थाना प्रभारी, आठ एसआई, नौ एएसआई व 123 जवान पहुंचे थे। इन जवानों को नगर के प्रमुख मार्गों पर तैनात किया गया। फिलहाल नगर में शांति है। प्रशासन ने पुरी मुस्तेदी के साथ बुधवार को भी अपना कार्य कर क्षेत्र में किसी प्रकार का विवाद न हो के लिए प्रयासरत रहे।

जिला स्तर पर कोविड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेंटर की स्थापना होगी

जहॉ पर उपलब्ध रहेंगे 24 घण्टे डाक्टर एवं फोन पर देंगे सलाह

माही की गूंज, बड़वानी।

शासन के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय पर शीघ्र ही कोविड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेंटर की स्थापना की जा रही है। इस सेंटर से आमजन फीवर क्लीनिक सेम्पल संग्रहण केन्द्र, कोविड केयर सेंटर में उपलब्ध अद्यतन बिस्तरों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। वहीं ऐसे कोविड पॉजिटिव मरीज जिन्हें होम आइसोलेशन में रखा गया है, वे भी वीडियो काल के माध्यम से अपनी जानकारी इन चिकित्सको को दे सकेंगे। सेंटर में पदस्थ चिकित्सक भी दिन में दो बार होम आइसोलेशन में रखे गए लोगो से वीडियोकालिंग कर उनका सक्रिय पर्यवेक्षक पर नजर रखेंगे।

कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने बुधवार को आयोजित प्रेस कान्फ्रेस के दौरान उक्त बाते मीडिया से शेयर करते हुए आव्हान किया कि, इस कन्ट्रोल रूम की जानकारी अपने स्तर से भी लोगो को दे। जिससे सभी लोग इस सेंटर की कार्यप्रणाली से अवगत होते हुए इसका लाभ ले सके। बैठक के दौरान कलेक्टर ने बताया कि कोविड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेंटर के चिकित्सको के पास होम आइसोलेशन में रखे गये कोविड पॉजिटिव लोगो के द्वारा सार्थक पोर्टल के माध्यम से भेजी गई स्वास्थ्य संबंधी सेल्फरिपोटिंग भी रहेगी।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने बताया कि अब नगरीय क्षेत्रों में घर - घर जाकर कोविड पाजिटिव लोगो के सेंपल लेने का कार्य बंद कर दिया गया है। संदिग्ध लोग अपना सेंपल फीवर क्लीनिक पर आकर दे सकेंगे। किन्तु ग्रामीण क्षेत्रो में पूर्व की भांति घर - घर जाकर सर्वे एवं सेंपल कलेक्शन का कार्य जारी रहेगा।

कलेक्टर ने बताया कि शीघ्र ही जिले में रेपिड एंटीजेन टेस्ट भी प्रारंभ की जा रही है। इस किट के माध्यम से मात्र 20 मिनट में ही यह ज्ञात किया जा सकेगा कि सेंपल पॉजिटिव है या निगेटिव।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.अनिता सिंगारे ने भी मीडिया के प्रश्नो एवं जिज्ञासाओं का समाधान किया। साथ ही बताया कि जिले में 9 स्थान पर फीवर क्लीनिक प्रारंभ है। जहॉ पर लोग अपने सेंपल कोरोना की जांच हेतु दे सकते है। यह फीवर क्लीनिक जिला चिकित्सालय बड़वानी, सिविल अस्पताल अंजड़, सिविल अस्पताल सेंधवा, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र राजपुर, निवाली, पानसेमल, सिलावद, पाटी, ठीकरी में संचालित है। शीघ्र ही खेतिया में भी ऐसा ही क्लीनिक प्रारंभ किया जायेगा।

मीसाबंदी के परिवार ने न्याय दिलवाने के लिए कलेक्टर को लगाई गुहार

माही की गूंज, झाबुआ।

बामनिया ग्राम पंचायत में मुख्य चोराहे पर बन रहे अंबिका काम्प्लेक्स में दुकान नही देने का मामला सामने आया है। बामनिया के सर्वे नम्बर 144 माताजी मंदिर के समीप वर्षो से भाजपा के सिपाही रहे स्वर्गीय रमेशचंद्र जायसवाल विगत 40 वर्षों से अपनी रोजी रोटी एक गुमटी में चला रहे थे उनकी मृत्यु के बाद उनका पुत्र उस दुकान से अपना रोजगार चला रहा था कि स्वर्गीय रमेशचंद्र जायसवाल जनसंघ के जमाने के जमीनी कार्यकर्ता रहे है और आपातकाल के दौरान तत्कालीन कांग्रेस सरकार की दमनकारी नीतियों का शिकार हुए और जेल भी गए थे बामनिया सर्वे नम्बर 144 पर बन रहे काम्प्लेक्स में दुकान देने से इंकार कर दिया। स्वण्जायसवाल के पुत्र राहुल ने इन स्थानीय नेताओं से जब दुकान की बात की तो उससे 10 लाख रुपए की मांग की गई और बाद में उसे दुकान देने से इंकार कर दिया इससे आहत होकर आज स्वण्जायसवाल के पुत्र राहुल ने अपनी व्यथा कलेक्टर झाबुआ के समक्ष उपस्थित होकर व्यक्त की ओर बताया कि जब पूर्व से काबिज लोगो को ग्राम पंचायत ने काम्प्लेक्स में दुकान देने का वादा कर उनकी दुकान हटवाई थी अब दुकान नही मिलने के कारण परिवार आहत है ए राहुल जयसवाल द्वारा कलेक्टर से मार्केट में दुकान दिलवाए जाने की मांग की है।

लोक सेवा केन्द्र के संचालकों की बैठक का हुआ आयोजन

माही की गूंज,बड़वानी।

प्रभारी अधिकारी लोक सेवा सुश्री अंशु जावला, लोक सेवा के जिला प्रबंधक ऋतुराज मिश्र, सहायक लोक सेवा राजेश्वरी मण्डलोई की अध्यक्षता में जिले के समस्त संचालक, लोक सेवा केन्द्रों की बैठक का आयोजन कलेक्टर कार्यालय, बड़वानी के सभागृह में बुधवार को किया गया।

बैठक में केन्द्र पर आरएफ्पी दस्तावेज की कण्डिकाओं अनुसार केन्द्र का संचालन करने, केन्द्र पर श्रेणी अनुसार स्टॉफ की उपस्थिति, डेऊस कोड एवं कोविड-19 हेतु भारत शासन के निर्देशानुसार केन्द्र पर सेनेटाईजर मास्क आदि का उपयोग सोशल डिस्टेंस का पालन करना एवं अधिनियम अंतर्गत अधिसूचित सेवाओं के आवेदनों का प्रचार-प्रसार किए जाने के निर्देश दिये गये।

साथ ही बैठक में यह निर्देशित किया गया कि केन्द्र पर किसी भी आवेदक के अपूर्ण आवेदन न लिये जाये। केन्द्र पर कार्यरत् पी.आर.ओ. को आवेदक के संपूर्ण दस्तावेज जांच करने के उपरांत ही आवेदन दर्ज करने के निर्देश दिये गये। आगामी समय में अपूर्ण आवेदन पाये जाने की स्थित में अर्थदण्ड संबंधी कार्यवाही किये जाने हेतु अवगत कराया गया। संचालक, लोक सेवा केन्द्र-सेंधवा एवं पी.आर.ओ. सेंधवा एवं राजपुर संचालक के अनुपस्थित होने पर प्रभारी अधिकारी द्वारा कारण-बताओं सूचना पत्र जारी किये जाने के निर्देश दिये गये।

बामनिया सरपंच के खिलाफबेरोजगार युवाओं ने खोला मोर्चा

प्रधानमंत्री आवास ओर मोबोलाइज भर्ती में धांधली के गम्भीर आरोप लगाते हुवे मुख्यमंत्री के नाम सौपा ज्ञापन

माही की गूंज, पेटलावद। आज अनुभाग कार्यालय पेटलावद में बामनिया के बेरोजगार युवाओं की टोली ने पहुँच कर तहसीलदार जितेंद अलावा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा जिसमे बामनिया ग्राम पंचायत सरपंच रामकन्या मखोड़ पर युवाओं ने परिवार के लोगो को नोकरी लगवाने ओर प्रधानमंत्री आवास योजना में भारी लापरवाही कर अयोग्य लोगो को गलत तरीके से लाभ दिलवाने के गंभीर आरोप लगाए। बामनिया के खुशवंत डामर ने बताया कि बामनिया सरपंच द्वारा पंचायत में निकली मोबोलाइजर की भर्ती में उसके भतीजे की नियुक्ति करवाना चाहती है जो कि दो साल पहले भेरूपाडा रहता था और परिवार की महिला के सरपंच बनने पर अनाधिकृत रूप से बैठक टेक्स वसूलने के लिए बुला लिया गया जिसे बाद में पंचायत स्वच्छताग्राही बना दिया और अब मोबोलाइजर के पद पर गाँव के बेरोजगार युवकों की जगह सरपंच नियम के विरुद्ध अपने रिश्तेदार को नोकरी लगवाना चाहती है। गाँव के युवा संतोष, छोटूलाल ,राहुल आदि का कहना है कि सरपंच ने प्रधानमंत्री आवास योजना में भी दो साल पहले गाव में आये रिस्तेदार ओर खुद के मकान में किराए से दुकान करने वाले को प्रधानमंत्री आवास का लाभ दिया। ज्ञापन में सरपंच रामकन्या मखोड़ ओर सरपंच पति शिक्षक सजंय मखोड़ पर भ्रस्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुवे मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा हैं।

गरीब दंपति ने अपनी मेहनत से बना डाला दो मंजिला भवन

पीएम मोदी करवाएंगे गृह प्रवेश

माही की गूंज, बैतूल।

मध्यप्रदेश के बैतूल जिले के एक गरीब दंपति ने अपने हाथों से दो मंजिला मकान बना कर अनोखी मिसाल पेश की है। अब देश के प्रधानमंत्री 12 सितंबर को मध्यप्रदेश के पीएम आवास हितग्राहियों के साथ-साथ इस महिला व उसके पति से वर्चुअल बात करेंगे। दरअसल, इस महिला ने अपने पति के साथ मिलकर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिली आर्थिक मदद से अपने ही हाथों से दो मंजिला इमारत तैयार कर लिया। स्थानीय लोगों की मानें तो अब पीएम मोदी से चर्चा करने के बाद यह महिला गृह प्रवेश करेगी।

जानकारी के अनुसार, बैतूल के उड़दन गांव के रहने वाली सुशीला देवी व उनके पति सुभाष ने अपने हाथ से दो मंजिला घर बनाया। क्योंकि दोनों ने पीएम आवास योजना के तहत अपना घर खुद ही बनाया है। महिला व उनके पति पीएम मोदी से संवाद करने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना के तहत उन्हें घर बनाने के लिए डेढ़ लाख रुपए मिला था। घर बड़ा बन सके और मजदूरी का पैसा बचाया जा सके, इसलिए उन्होंने 49 दिनों में खुद ही मजदूरी की और दो मंजिला घर बना दिया।

मजदूरी का पैसा बच सके इसलिए खुद की मेहनत

इस दंपति ने अपनी मेहनत से पाई पाई जोड़कर अपने पति के साथ दो मंजिला मकान बनाया। महिला ने बताया कि उसने खुद ही पत्थर फोड़े, खुद दीवारें उठाई, चुनाई की जिससे मजदूरी का पैसा बच गया। खास बात यह कि मजदूरी का पैसा बचाकर उतनी ही राशि में 500 वर्गफीट में दो मंजिला मकान बनाया। इसमें तीन कमरे, अहाता, रसोई और छोटा-सा बगीचा भी है।

पीएम से संवाद के बाद ही करेंगे गृह प्रवेश- सुशीला देवी

सुशीला देवी और उनका परिवार इस बात से बेहद खुश है कि वो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ संवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि 12 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात होने के बाद ही गृह प्रवेश करेंगे।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने लिया विभिन्न प्रतिष्ठानो से तेल के सेम्पल

माही की गूंज, बड़वानी। कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने तेल विक्रेताओं की दुकानों का औचक निरीक्षण कर खाद्य तेलो का सेम्पल लेकर जांच हेतु भोपाल भेजा है। अब वहां से प्राप्त जांच रिपोर्ट आधार पर अन्य कार्यवाही बाद में की जायेगी।

जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी एचएल अवास्या से प्राप्त जानकारी अनुसार बुधवार को उक्त कार्यवाही के दौरान सेंधवा के अन्नपूर्णा टेऊडिंग कम्पनी से पाम आईल एवं खुला रिफाईन्ड सोयाबीन तेल, जयंतीलाल जैन के यहां से खुला पॉम आईल का नमूना लेकर जांच हेतु भेजा गया है।

अवास्या ने बताया कि, जिले के विभिन्न शहरों, कस्बों में यह कार्यवाही सतत जारी रहेगी। इस दौरान दल के सदस्यों द्वारा विभिन्न खाद्य पदार्थो के नमूनों को लेकर जांच हेतु भेजा जायेगा। अगर जांच में कोई नमूना अमानक स्तर का पाया जाता है तो संबंधित निर्माता, दुकानदार के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

करोंदिया के तालाब में डूबने से तीन मासूमों की हुई मौत, सांसद ने पीड़ित परिवार को बंधाया ढांढस

माही की गूंज, खरगोन। जिले के कसरावद थाना क्षेत्र के ग्राम करोंदिया में गत दिनों तालाब पर नहाने गए तीन मासूम बच्चों की एक साथ डूबने से मौत हो गई थी। मृतक तीनों बच्चों में से दो सगे भाई थे, जबकि एक दोस्त था। सभी बच्चों की उम्र 9 से 11 साल थी। घटना बितने के बाद आज भी गांव में मातम सा है। परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। बच्चों की मां अब भी पथराई आंखों से अपने नौनिहालों के वापस घर लौटने का इंतजार कर रही है। घटना की सूचना पर क्षेत्रीय सांसद गजेंद्र पटेल सोमवार को ग्राम करोंदिया पहुंचे। यहां उन्होंने 11 वर्षीय विशाल प्रभु यादव, 9 वर्षीय साई प्रभु यादव और 11 वर्षीय अजय महेश कर्मा के घर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की और दुःख की इस घड़ी में उन्हें ढांढस बंधाया और कहा कि, शासन व प्रशासन से उन्हें मदद पहुंचाने के लिए भी प्रयास करेंगे। इसके बाद सांसद श्री पटेल कसरावद जनपद के ग्राम भनगांव भी पहुंचे। भनगांव में सर्पदंश से प्रवीण यादव की मौत होने पर उनके परिवार को सांत्वना दी और प्रवीण के पिता लक्ष्मण यादव को ढांढस बंधाया और कहा कि वे कोई भी समस्या हो अपना बेटा समझकर उनसे संपर्क कर सकते है, वे हमेशा उनके साथ है। इस दौरान पूर्व विधायक आत्माराम पटेल एवं जनप्रतिनिधि के रूप में राजेंद्र यादव उपस्थित रहे।

सरकारी मुलाजीम से बना सांसद, अब अपराधियों को संरक्षण देने वाला आरोपी भी बना सांसद गुमान

गुमान की करनी व कथनी सोशल मीडिया और समाचार पत्रों में हो रही उजागर, मामला भोपाल और दिल्ली तक पहुंचा

घेरा न. 1 में अपने घर पर आरती करते सांसद गुमान, दूसरे घेरे में सांसद की पत्नी श्रीमती रोकड़े, तीसरे घेरे में गणेश जी की आरती उतारते घोटालेबाज आरोपी नरेंद्र सोनावा।

घेरे न. 2 में घोटालेबाज नरेंद्र सोनावा व घेरे न. 1 में घोटालेबाज का साथी मित्र डेलनपुर जनपद सदस्य भारत जाट।

घोटालेबाज का साथी भारत जाट सांसद के गृह कार्यालय में सांसद एवं अन्य साथियों के साथ मिठाई की प्रसाद का लुफ्त उठाते हुए।

माही की गूंज, झाबुआ/रतलाम

सरकारी मुलाजीम के बाद झाबुआ विधायक से झाबुआ-रतलाम संसदीय क्षेत्र का सांसद बना गुमान अपनी गुमानीयत के साथ कई ऐसे कृत्य कर चूका है, जिससे कई बार स्वंय को मुंह की खानी पड़ी वरन् केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार की भी किरकीरी करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा। गुमान अब अपनी करनी के साथ अपना वास्तविक चेहरा आम जनता को दिखाते हुए अपराधियों को संरक्षण देकर अपनी कथनी व करनी को स्पष्ट कर रहा है।

बता दें कि, रतलाम, झाबुआ-अलिराजपुर जिलो का सांसद झाबुआ जिले में अंगद के पैर की तरह ऐसा जमा कि विवादों और सांसद का चोली-दामन का साथ हो गया। सांसद स्वयं के 'मैं' के चक्कर में अपने के नाम के साथ भाजपा के असतित्व को धुमिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। चुंकि अब भाजपा सहित राजनीतिक गलियारो की आमचर्चा में सांसद गुमान के राजनीतिक भविष्य पर प्रश्न चिन्ह तक लगने लगे है। जिले भर में गुटबाजी को चरम पर पहुँचा चुके सांसद गुमान पिछले दिनों मदर टेरेसा को लेकर सोशल मीडिया पर की गई एक पोस्ट को लेकर कई लोगों ने बुरी तरह से ट्रोल किया था। मामला संघ के बड़े पदाधिकारियों तक भी पहुंच गया। जिसके बाद गुमान को सोशल मीडिया से पोस्ट हटाने पर मजबूर तक होना पड़ा। फिलहाल मामला शांत हुआ भी नहीं था कि, विवादित सांसद फिर से नए विवाद में उलझ गए जहां उन पर मुकदमा भी दर्ज हो सकता है।

ताजा मामला फिर से सोशल मीडिया के ही माध्यम से सामने आया। जहां रतलाम जिले के घोटालेबाज उर्फ भाजपा नेता सोनावा जो आज भी पुलिस पकड़ से दूर है, सांसद गुमानसिंह डामर पर उसे अपनी सुरक्षा में रख कर घोटालेबाजो को बचाने के आरोप भी लग रहे हैं। गूंज सुत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नामली में पीएम आवास व कोचा तालाब में हुए करोड़ों के घोटाले में आरोपी सीएमओ अरुण ओझा की गिरफ्तारी हो गई है। वहीं घोटाले का मुख्य आरोपी भाजपा नेता नरेंद्र सोनावा की तलाश में पुलिस जुटी है। नामली पुलिस इस अपराधी उर्फ भाजपा नेता नरेंद्र सोनावा को पकड़ने के बजाए फरार बता रही है और आज भी वह रतलाम और झाबुआ जिले में ही खुलेआम घुम रहा हैं। गत दिनों गणेश उत्सव के दौरान घोटाले का फरार आरोपी सोनावा के साथ रतलाम-झाबुआ के सांसद गुमानसिंह डामोर देखे गए और सोशल मीडिया पर उनके फोटो भी वाइरल हो गए। रतलाम जिले के कांग्रेसी नेताओं ने सांसद गुमान पर घोटाले बाज सोनावा को बचाकर उसे सुरक्षा देने का खुला आरोप लगाया है और कानून को चुनौती देकर फोटो सांसद की फेसबुक आईडी और सोनवा के बेटे द्वारा सोशल मीडिया पर डाले गए। जिसके बाद फरार आरोपी को लेकर राजनीतिक बखेड़ा शुरू हो गया है। कांग्रेस ने सांसद गुमान की घेराबंदी शुरू कर फरार आरोपी को सरेआम बचाने के आरोप तक लगा दिए। खबर सोशल मीडिया पर वाइरल होने और समाचार पत्रों में छपने के बाद भाजपा बैकफुट पर आ गई, और किसी भाजपाई नेता के पास मामले पर सफाई देने के लिए कुछ नही बचा। यानि सभी भिग्गी बिल्ली कि तरह चुप हो गए है। मामला रतलाम जिले का होकर सांसद के संसदीय क्षेत्र का होने और केंद्र की प्रधानमंत्री आवास योजना में घोटाले के उजागर होने से सांसद पार्टी में भी घिरते जा रहे हैं। वही भाजपा पर भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने की नीति पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

सांसद गुमान पर भी हो सकता है अपराध दर्ज

कहा जाता है कि अपराध करने वाले से बड़ा अपराधी, अपराधी को संरक्षण देने वाला व्यक्ति होता है। वैसे ऐसा पहली बार नहीं है कि, कोई रसूखदार किसी फरार आरोपी को संरक्षण दे रहा हैं। ऐसे मामलों में संरक्षणदाता भी कई बार अपराधियों की लिस्ट में उसी मामले में शामिल कर लिए गए हैं। कानूनी जानकारों से इस विषय में चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि, यदि किसी के द्वारा इस प्रकार से अपने रसूख का उपयोग कर बचाया या संरक्षण दिया जाता है तो कानूनी रूप से सरंक्षण देने वाले को उसी मामले में सह आरोपी भी बनाया जा सकता है। ऐसे मामलों में कई बार लिखित शिकायत महत्त्वपूर्ण हो जाती है जिसके चलते पुलिस को भी कार्रवाई करनी पड़ती और न्यायालय में जवाब देना पड़ता हैं।

यह है पूरा मामला

मामला रतलाम जिले की नामली नगर परिषद का है। जहां प्रधानमंत्री आवास को लेकर बड़ा घोटाला उजागर हुआ था, कांग्रेस नेता और शिकायतकर्ता द्वारा जुलाई 2019 में घोटाले की शिकायत दर्ज करवाई थी। जिसकी जांच पूर्व कलेक्टर रुचिका चौहान के नेतृत्व में हुई और आवास योजना और कोचा तालाब में 9 करोड़ से भी अधिक का भ्रष्टाचार पाया गया। जनवरी 2020 में मामला नामली थाने में दर्ज किया। जिसमें सीएमओ ओझा के साथ भाजपा नेता सोनावा को भी आरोपी बनाया गया था। मामले में सीएमओ ओझा तो गिरफ्तार हो गए, लेकिन सोनावा अब तक पुलिस गिरफ्त से राजनीतिक संरक्षण के साथ फरार है। फरार अरोपी का फोटो दस दिनी गणेश उत्सव के अवसर पर सांसद द्वारा संरक्षण देकर अपने घर पर स्थापित की गई गणेश जी की प्रतिमा की आरती उतारते हुए सांसद व उनकी आईएएस रही पत्नी के साथ फोटो वाइरल होने के बाद पुलिस पर राजनीतिक दबाव और घोटाले के आरोपी को राजनीतिक संरक्षण की पुष्टि हो गई है। मामले में शिकायतकर्ता ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका तक दायर कर रखी है, शिकायतकर्ता तूफानसिंह सोनगरा ने कहा है कि, भाजपा शासन काल में जनप्रतिनिधियों के द्वारा ही अपराधियों को संरक्षण दिया जा रहा है। जिसके कारण ही अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। नामली पुलिस ने अगर सोनावा को गिरफ्तार नहीं किया तो दोबारा हाईकार्ट में जनहित याचिका दायर कर सोनावा की गिरफ्तारी की मांग करेंगे।

रतलाम से बामनिया के साँचल धाम तक पैदल यात्रा

माही की गूंज, बामनिया।

श्री सोनाणा खेतला भेरूजी के भक्तों द्वारा रतलाम से बामनिया श्री सोनाणा खेतलाजी धाम तक पैदल यात्रा संघ निकाला गया था, जो रविवार को सुबह माणक चौक, बड़ा हनुमानजी मंदिर से प्रारंभ होकर सोमवार को बामनिया सोनाणा साँचल धाम तक पैदल पहुँच कर यात्रा पूरी की गई। पैदल यात्रीयों का सोमवार को सुबह 9 बजे नगर में मंगल प्रवेश हुआ। जिनका भैरव भक्तों ने स्वागत किया एवं यात्री नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए साँचल धाम पहुँच कर अपनी यात्रा पूरी की। पैदल यात्रियों का ट्रस्ट मंडल द्वारा स्वागत बहुमान किया गया। इस पैदल यात्रा में रतलाम सहित बामनिया के भेरूजी के परम भक्त विवेक लुणावत, पवन राठौर, भगवानसिंग चौहान, लक्ष्मण भूरिया, गोलू टाक, सुनील भाई, विजय भूरिया आदि ने भाग लिया।

दानदाता का किया बहुमान

इस अवसर पर खेतलाजी के भक्त झाबुआ निवासी राजेश पडियार ने साँचल सोनाणा तीर्थ धाम पर रविवार को रवि पुष्प नक्षत्र के पावन अवसर पर साँचल धाम पर स्वर्ण स्तंभ का एक लाख एक हजार रुपए में लाभ लिया गया, जिस पर सोनाणा साँचल धाम के ट्रस्ट मंडल के भवरलाल बाफ्ना, परवीन मेलिवार, पंकज मेहता द्वारा तिलक लगाकर माला पहना कर बहुमान किया गया।

पेटलावद विकास खण्ड में कोरोना से पहली मौत

रिटायर्ड कम्पाउंटर की धार में मौत

माही की गूंज, झकनावद। कोरोना की चपेट में आकर लोगो की मौत होने का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है ,सोमवार को पेटलावद विकास खण्ड में पहली मौत का मामला सामने आया है। ग्राम झकनावदा के रिटायर्ड कम्पाउंटर आबिद हुसैन खान का धार में कोरोना से निधन हो गया है। आबिद हुसैन खान झकनावदा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर वर्षो तक पदस्थ रहे और यही से उनका रिटायरमेंट भी हुआ था आबिद हुसैन काफी मिलनसार व्यक्ति माने जाते हैं। बीएमओ एमएल चोपड़ा ने बताया कि, आबिद हुसैन खान बीमारी के इलाज के लिए सरदारपुर गए थे जहाँ से उन्हें धार रेफर किया गया था और कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी, जहां उनकी मौत की खबर आई है। म्रतक के परिवार को होम क्वारेंटाइन रहने के लिए कहा गया है। कोरोना को हल्के में ले रहे लोगो से निवेदन हैं शासन की गाइडलाईन का पालन करे, सुरक्षित रहे और सर्दी, खाशी, बुखार होने या किसी प्रकार की शंका होने पर जाँच अवश्य करवाए।

बच्चे को जन्म देने के बाद, समय पर इलाज नही मिलने पर प्रसूता ने तोड़ा दम

बीएमओ के जन्मदिन की पोस्ट पर महिला के परिजन के कमेंट से उजागर हुआ मामला

माही की गूंज, पेटलावद/झकनावद

बढ़ती मातृत्व और शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए शासन द्वारा सैकड़ो योजनाओं का संचालन स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से किया जा रहा है, लेकिन सरकारी तंत्र की लापरवाही और अनदेखी की भेंट आज भी कई महिलाएं और नवजात चढ़ कर अपनी जान गवा रहे है। मामला पेटलावद के झकनावद ग्राम का है, जहा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वयं पेटलावद के बीएमओ एमएल चौपड़ा पदस्थ है। 5 सितंबर की शाम को गर्भवती महिला सपना पिता गोपाल राठौर निवासी लाबरिया जो कि डिलेवरी के लिए पियर झकनावद आई हुई थी, दर्द होने पर झकनावदा हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया, जहाँ महिला ने नार्मल डिलेवरी में एक तंदरुस्त बालक को जन्म दिया। महिला के परिजन के अनुसार डिलेवरी के बाद महिला और उसका बच्चा बिल्कुल स्वास्थ्य थे, लेकिन कुछ देर बाद डॉक्टर चौपड़ा द्वारा महिला की बीपी लो होने और खून की कमी होने की जानकारी देते हुए पेटलावद रेफर कर दिया। परिवार महिला को गंभीर हालत में पेटलावद के कानवन रोड स्थित चोयल हॉस्पिटल लेकर पहुँचे जहा महिला का इलाज शुरू किया गया, लेकिन महिला की हालत बिगड़ने पर चोयल हॉस्पिटल से महिला को रतलाम रेफर कर दिया गया और अस्पताल पहुचने के पहले ही रास्ते मे ही महिला दम तोड़ दिया ओर मां के प्यार व परवरीश से एक दिन का मासूम व चार साल का बडा बेटे वंचित हो गए।

बीएमओ के जन्मदिन की पोस्ट पर कमेंट कर बताया पूरा घटनाक्रम

कुछ दिनों पूर्व ही बीएमओ एमएम चौपड़ा का जन्मदिन था और सोशल मीडिया पर उनके मित्रो द्वारा डॉक्टर चौपड़ा को बधाई देने का दौर चल रहा था कि, मृतक महिला के भाई सत्यनारायण राठौर ने जन्मदिन की एक पोस्ट पर पूरे मामले में डॉक्टर की लापरवाही को बहन की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया। मृतक प्रसूता के भाई ने सत्यनारायण राठौर ने बताया कि, जब महिला को खून की कमी थी या आवश्यकता थी, तो पहले से क्यो कोई जानकारी या इंतज़ाम खून का नही किया गया और हालत बिगड़ने के बाद पेटलावद रेफर किया गया, जहाँ खून की कोई व्यवस्था नही हैं जिसकी जानकारी विकास खण्ड के मुखिया होने के नाते भी डॉक्टर के पास होनी थी, पर सिस्टम और डॉक्टर की लापरवाही की भेंट मेरी बहन को चढ़ना पड़ा, और दो मासुम मां के प्यार से वंचित होकर रोते-भीलकते हो गए।

माता मरियम का त्यौहार सोशल डिस्टेंसिंग के साथ मनाया गया

माही की गूंज, थांदला। 8 सितंबर को मां मरियम का जन्म दिवस मनाया गया, जिसमें 9 दिन तक चैनपुरी ग्रोटो पर मां मरियम की नोवेना पूजा अर्चना की गई। जिसमें मां मरियम के भक्तों द्वारा कोरोना बीमारी हमारे देश एवं दुनिया से खत्म हो जाए इसके लिए विशेष प्रार्थनाएं आयोजित की गई। पल्ली पुरोहित फादर अंतोन कटारा व पल्ली के सदस्यों द्वारा नोवेना को तीन भागों में विभाजित किया गया था, जिससे सोशल डिस्टेंसिंग एवं कोविड-19 के जो भी शासन स्तर से निर्देश हैं, उनका पालन हो सके। समाज के लोगों ने 9 दिन तक सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए मास्क, सेनीटाइजर का उपयोग करते हुए भक्ति की, मां मरियम के जन्मदिवस पर पल्ली पुरोहित फादर अंतोन कटारा, फादर विशाल, फादर महेश, फादर बसंत के द्वारा कोरोना बीमारी हमारे देश एवं दुनिया से खत्म हो जाए इस हेतु विशेष प्रार्थना की गई जिससे हम सब शांति और भाईचारे के साथ जीवन यापन कर सकें।

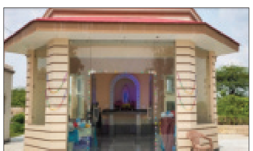

कृषि दवाई व बीज व्यापारी दीपक सोलंकी का असमय निधन

माही की गूंज, रायपुरिया।

मोहनकोट निवासी, रायपुरिया के कृषि दवाई व बीज व्यापारी दीपक सोलंकी (45) पुर्ण रूप से स्वस्थ थे लेकिन ढेड माह पुर्व उनके शरीर में किसी प्रकार का इन्फेक्शन होने के कारण अपना इलाज करवाने बडोदा गए थे, बडोदा मे ही चल रहे ढेड माह के इलाज के दौरान कुछ सुधार भी हुआ था परन्तु सोमवार को सुचना मिली की उपचार के दौरान ही बडोदा में मामुली इन्फेक्शन ऐसा जहर बन गया की दिपक की जान ही ले ही है की खबर सोमवार को मोहनकोट व रायपुरिया के साथ पुरे समाज वर्ग को लगी, मिलनसार व हसमुख मिजाज के व्यक्ति दीपक सोलंकी के असमय निधन होने की सुचना से सभी शोक स्तभद हो गए। दीपक सोलंकी का अंतिम संस्कार उनके ग्रह गांव मोहनकोट में किया गया था।

कार्यालयः-आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्यादित पंचपिपलिया जिला झाबुआ

सुचना

आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्यादित पंचपिपलिया के समस्त अंशधारी सदस्यों को सुचित किया जाता है कि, प्रतिवर्ष अनुसार संस्था की वार्षिक आम सभा 23/09/2020 बुधवार को संस्था कार्यालय पर दिन के 1 बजे श्रीमान प्रशासक महोदय की अध्यक्षता में आयोजित किया जाना है, आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है। कोरम के अभाव में उसी दिन एवं समय के आधे घण्टे पश्चात बैठक आयोजित की जायेगी। जिसमें गणपूर्ति की आवश्यकता नहीं होगी।

नोटः-वर्तमान में कोविड-19 की माहामारी को ध्यान में रखते हुए एवं शासन द्वारा दिए गए निर्देश के परिपालन में निर्देशों का पालन करते हुए वार्षिक साधारण सभा में आने वाले सभी अंशधारी के लिए फेस मास्क व सोशल डिस्टेंसींग का पालन करते हुए सभा में उपस्थित होवे।

विषय –

1. गत साधारण सभा की कार्यवाही की पुष्टि पर विचार।
2. संस्था का वित्तीय वर्ष 2020-21 का ऑडिट सीए अथवा विभाग से कराने बाबद।
3. वर्ष 2019-20 का आय-व्यय पत्रक व्यापरिक पत्रक लाभ-हानि पत्रक एवं आडिट पत्रक का अवलोकन स्वीकृत करने बाबद।
4. आगामी वर्ष 2020-21 के अनुमानित बजट की स्वीकृत पर विचार।
5. वर्ष 2019-20 में आयोजित प्रबंध कार्यकारणी चलितप्रस्ताव ऋण उप समिति की बैठक आयोजित की उसकी पुष्टि करने पर विचार।
6. आकेक्षण में लिए गये आक्षेपो का पालन प्रतिवेदन के सम्बध में विचार।
7. संस्था के मृत सदस्यों के वारिसों के उत्तराधिकारी नियुक्ति करने बाबद पर विचार।
8. संस्था अन्य विषय प्रशासक महोदय की अनुमति से।

प्रबंधक
आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था
मर्यादित पंचपिपलिया

कार्यालयः-आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्या. बड़ीधामनी जिला झाबुआ

सुचना

आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्या. बड़ीधामनी के समस्त अंशधारी सदस्य महानुभावों को सूचित किया जाता है कि, संस्था कि वार्षिक साधारण सभा दिनांक 15/09/2020 वार मंगलवार को संस्था कार्यालय पर दिन के 10 बजे रखी गई है। जिसमें आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

नोटः- साधारण सभा की बैठक के लिए 1/10 अथवा 50 सदस्य जो भी कम हो कि गणपूर्ति के पश्चात् आमसभा उसी दिनांक व स्थान पर आधा घण्टे पश्चात सम्पन्न की जावेंगी।

विषय सूची –

1. वर्ष 2019-20 में संपन्न हुई संचालक मंडल की बैठकों की पुष्टि करना।
2. गत आम सभा की पुष्टि करना।
3. संस्था का वर्ष 2019-20 के वार्षिक पत्रक को स्वीकृत करना।
4. वर्ष 2020-2021 का वार्षिक बजट (अनुमानित आय-व्यय) स्वीकृत करना।

5 संस्था का वर्ष 2019-20 तक ऑडिट-नोट की तामिली की पुष्टि करना।

6.वर्ष 2019-20 के स्वीकृत बजट से अधिक हुई व्ययो की पुष्टि करना।

7 अन्य विषय प्रशासक महोदय की पूर्वानुमति से।

प्रबंधक
आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था
मर्या., बड़ीधामनी

कार्यालयः-प्राथ. लघु वनोपज सहकारी सोसाइटी चन्द्रशेखर आजाद नगर जिला अलीराजपुर

सुचना

आपको सूचित किया जाता है कि, संस्था कि वार्षिक साधारण सभा दिनांक 21/09/2020 वार सोमवार को संस्था कार्यालय पर दिन के 1 बजे रखी गई है। जिसकी अध्यक्षता रिटर्निंग अधिकारी द्वारा कि जायेगी, जिसमें आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

विषय –

1. सोसाइटी को उपविधि क्रमांक 23 के अनुसार संचालक मण्डल के सदस्यो का निर्वाचन करना।

नोटः– रिटर्निंग अधिकारी द्वारा घोषित निर्वाचन कार्यक्रम सलग्न है।

अध्यक्ष/प्रबंधक
प्राथ. लघु वनोपज सहकारी सोसाइटी मर्या.,
चन्द्रशेखर आजाद नगर

कई दिनों बाद बसे चालू होंने से क्षेत्र में हर्ष का माहौल

माही की गूंज, च.शे.आजाद नगर।

कोरोना महामारी के कारण देश मे लगे लॉकडाउन की वजह से बसो के भी पहिये थम गए थे, जिसके कारण आम नागरिक को एक जगह से दूसरी जगह जाने और यात्रा करने के लिए निजीवाहन या फिर प्राइवेट वाहन किराए पर लेकर जाना पड़ता था, बुधवार को जैसे ही नगर में बसे चलती हुई दिखाई दी और उसके साइरन से बस स्टैंड गूंजा वही कुछ बसे चालु होने के साथ ही लोगो की उम्मीद जग गई कि, अब सभी निजी बसे चलने लगेगी और अब एक जगह से दूसरी जगह जाने में आसानी होगी और जेब पर भार भी कम पडेगा। साथ ही क्षेत्र में बसों का संचालन नियमित ओर सुचारू रूप से होगा तो आसपास के ग्रामीण एक जगह से दूसरी जगह जायेगे-आएंगे तो व्यापार व्यवसाय भी बडने की उम्मीद जताई जा रही है।

प्रधानमंत्री सड़क की खस्ता हालत

माही की गूंज, जामली। जामली-रायपुरिया मार्ग दिन पे दिन खस्ता होते जा रहा है, बारिश होने के बाद से सड़क पर जगह-जगह गड्डो में तब्दील होते जा रहा है, समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो कहीं बड़ी दुर्घटना ना हो जाए। जामली से रायपुरिया के मध्य माही नहर के समीप बड़े-बड़े गड्डो की वजह से राहगिरो को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जिसके कारण दो पहिया वाहनों को अपनी जान जोखम में डालकर सफर करने को मजबूर है। नहर के समीप हालत ऐसे है कि, निगाह हटी दुर्घटना घटी की स्थती है इसलिए राहगीरों का कहना है कि यदि समय पर इस रोड की मरम्मत नहीं की गई तो मार्ग से गुजरने वाले वाहनों को एव चालको को जान-माल का नुकसान उठाना पड़ सकता है।

बाबू की जादूगरी ऐसी की भोपाली आदेश पर भी पड़ी भारी

बहन की बहू ओर एक और पुत्री की सरकारी नियमो को ताक में रख भोपाल के आदेश की अवेहलना कर करवा दी नियुक्ति

माही की गूंज, झाबुआ, संजय भटेवरा

गूंज द्वारा आदिवासी विकास में हुई नियुक्ति घोटाले ओर विभाग के बाबू के परिवार के सदस्यों और रिस्तेदारो की थोक बन्द भर्ती के खुलासे के साथ एक बात तो साफहो गई कि, बीईओ कार्यालय पेटलावद में पदस्थ बाबू रामचंद्र अटकान की जादूगरी का मायाजाल इतना जमावट भरा था कि, जहा जब जैसे चाहा अपने परिवार के सदस्यों और रिस्तेदारो की नियुक्ति आदिवासी विकास विभाग में करवा दी और अब तक हुई नियुक्तियां कही न कही जिले से तोड़ बट्टा बिठा कर करवा दी गई, क्योकि जिला अधिकारी के पास नियुक्ति करने का अधिकार था लेकिन कार्यालय आयुक्त आदिवासी विकास मध्यप्रदेश द्वारा एक आदेश दिनांक 9 मई .2017 को जारी आदेश क्रमांक/स्था.3-2/2445/2017/10866 के माध्यम से प्रदेश के समस्त सहायक आयुक्त एवं समस्त जिला सयोंजक को भेज कर जिला स्तर पर अधिकारियों द्वारा विभागीय शैक्षणिक/आवासीय संस्थाओं और कार्यालयों में नियमित भृत्य के पद पर कलेक्टर दर/सफाई कर्मचारी (भृत्य/ रसोंईया/ चौकीदार/ पनिवाला/ अंशकालिन सफाई कर्मचारी) के स्वीकृत पदों पर नियुक्तियो पर नियमो का पालन नही होने के कारण किसी भी प्रकार की चतुर्थ श्रेणी के नियमित पद और कलेक्टर दर पर स्वीकृत पदों पर नियुक्ति जिला स्तर पर नही करने का आदेश जारी किया गया। कार्यालय आयुक्त आदिवासी विकास मध्यप्रदेश द्वारा जारी आदेश में साफदर्शया गया कि, अतिआवश्यक स्थिति में भी प्रस्ताव विभागाध्यक्ष को भेजे यदि उक्त निर्देशो का पालन नही किया जाता है तो सख्त कार्यवाही की जाएगी, लेकिन बाबू की गठ-जोड के आगे भोपाल से जारी ये आदेश भी पानी भरता नजर आया और आदेश व नियमो को ताक में रख भर्ती का सिलसिला जारी रहा।

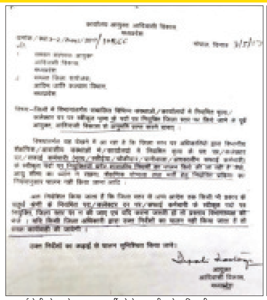

चतुर्थ श्रेणी ओर कलेक्टर दर पर भर्ती को लेकर जारी आदेश, जिसकी सहायक आयुक्त झाबुआ ने जमकर अवेहलना की।

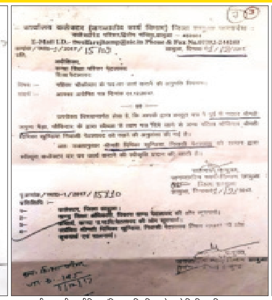

बाबू की बहन की बहू दीपिक खुंडिया का नियुक्ति आदेश जो कि नियम विरुद्ध सहायक आयुक्त कार्यालय से हुआ जारी।

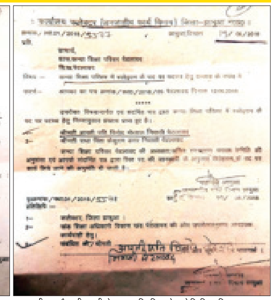

बाबू की एक और पुत्री आरती मोरवाल का नियुक्ति आदेश जो कि नियम विरुद्ध सहायक आयुक्त कार्यालय से जारी हुआ।

आदेश के 7 माह बाद विभाग में फिर शुरू हुआ फर्जी भर्ती का खेल

कन्या उ.मा.वि.पेटलावद के प्राचार्य योगेंद्र प्रसाद और बीईओ कार्यालय में पदस्थ बाबू रामचंद्र अटकान भोपाल के आदेश के बाद भी नही रुका ओर आदेश के 7 माह बीत जाने के बाद अपना खेल फिर से शुरू किया और बहन की बहू दीपिका खुंडिया की नियुक्ति का जाल बिछाया गया। बताया जा रहा है कि, बाबू ने बहन की बहू की नियुक्ति के लिए कन्या शिक्षा परिसर पेटलावद में चौकीदार के पद पर पदस्थ जमुना मैड़ा को नोकरी से हटाया गया और हटाने का कारण महिला चौकीदार द्वारा स्वेच्छा से त्यागपत्र देना बताया गया। चुकी महिला आदिवासी वर्ग की थी और किसी आदिवासी वर्ग की महिला को नोकरी मिलनी थी, लेकिन आरक्षण नियमो को ताक में रख चौकीदार का पद रिक्त होने या करवाने के बाद बाबू की बहन की बहू दीपिका खुंडिया की नियुक्ति उक्त पद पर की गई, सबसे बड़ी बात, यह सारा काम एक ही दिन में भोपाल के आदेश को ताक में रखकर उसकी अवेहलना कर दि गई। भोपाल से जारी आदेश को ताक में रख सहायक आयुक्त ने आदेश क्रमांक/स्था.-1/2017/15109 झाबुआ दिनांक 1 दिसम्बर 2017 को बाबू की बहन की बहू की चौकीदार पद पर नियुक्ति कर दी, उक्त आदेश अधिक्षिका कन्या शिक्षा परिसर को भेजा गया, उसमें कन्या शिक्षा परिसर के अग्रेषित पत्र का संदर्भ में हवाला दिया गया, वो पत्र 1 दिसम्बर 2017 को ही भेजा गया था और इसी तारीख में नियुक्ति आदेश भी जारी कर दिया गया, जिससे साफ होता है कि, पूरी मिलीभगत ओर लेंन-देंन के साथ भर्ती की गई। बाबू के बढ़ते रसूख के कारनामों का यही विराम नही लगा, पहले से दो बेटियों को नोकरी लगा चुके बाबू ने अपनी एक ओर पुत्री को एक बार फिर भोपाल के आदेश की अवेहलना कर नियम के विरुद्ध सहायक आयुक्त से एक ओर पुत्री आरती पति विनोद मोरवाल की नियुक्ति रसोईयन पद पर शासकीय कन्या शिक्षा परिसर पेटलावद में आदेश क्रमांक/स्था.01/2018/5577 झाबुआ दिनांक 19 जून 2018 को कर दी गई। इस बार पहले वाली गलती में सुधारकर नियुक्ति की प्रक्रिया 7 दिन में पूरी की गई, नियुक्ति के लिए संस्था प्राचार्य द्वारा 12 जून 2018 को जिले में प्रस्ताव भेजा गया और 19 जून 2018 को नियुक्त आदेश जारी किया जाता है। पहले सभी भर्ती की तरह इस फर्जी में भी आवेदक एक मात्र बाबू की पुत्री आरती मोरवाल ही थी। जबकि भोपाल से जारी आदेश में स्पष्ट लिखा गया था कि, किसी प्रकार की आवश्यक नियुक्ति के लिए विभाग अध्यक्ष को प्रस्ताव बना कर भेजने के निर्देश थे, लेकिन कलेक्टर की नाक के नीचे सारे खेल, खेल दिए गए और बाबू की तगड़ी सेटिंग ओर पैसों के दम पर फर्जी ओर नियम विरुद्ध नियुक्तियों का सिलसिला जारी रहा। सम्भव है ऐसा केवल पेटलावद कन्या परिसर के अलावा अन्य संस्था में भी किया गया होगा, लेकिन एक परिवार की लगातार नियुक्ति के कारण ये मामला उजागर हो गया जिसकी जांच बड़े स्तर पर व निष्पक्ष रूप से होती है तो कई बड़े अधिकारी और कर्मचारी बे नकाब हो जायेगे।

निरन्तर....

चिल्ड्रन फ्रेंडली कोर्ट का शुभारंभ न्यायाधीश राजेश गुप्ता ने किया

माही की गूंज, झाबुआ। जिला न्यायालय परिसर में चिल्ड्रन फ्रेंडली कोर्ट का शुभारंभ जिला एवं सत्र न्यायाधीश के कर कमलों से संपन्न हुआ। उक्त कोर्ट का मुख्य उद्देश्य लैंगिक अपराधों से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2012 के अंतर्गत गठित पॉक्सो कोर्ट एवं अन्य महिला संबंधी अपराधो के अंतर्गत गवाही हेतु उपस्थित पीड़ित महिला पक्षकार एवं उनके नवजात शिशुओं के आराम हेतु सर्व सुविधा युक्त स्थान उपलब्ध करवाया जा सके। जिससे शिशुओं एवं महिलाओं के मानसिक दशा पर न्यायालय या पुलिस का खौफ ना हो और उन्हें एक आरामदायक एवं मानसिक रूप से संतुष्ट करने योग्य वातावरण प्रदान किया जा सके। इसी अवसर पर महिला सशक्तिकरण एवं जागरूकता विधिक साक्षरता शिविर का भी आयोजन किया गया। जिसमें महिला एवं बाल अधिकार संरक्षण से संबंधित कानूनी प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा की गई। चिल्ड्रन फ्रेंडली कोर्ट के अंतर्गत वेब कैमरा प्रोसिडिंग सिस्टम का भी शुभारंभ किया गया। जिससे नाबालिग पीड़िता का सामना प्रत्यक्ष रूप से आरोपी के समक्ष न हो सके एवं भय रहित वातावरण में अपनी बातें न्यायालय को बता सके। जिससे उसके मामले में प्रभावी न्याय प्रदान किया जा सके।

शुभारंभ कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश महेश शर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव एवं अपर जिला न्यायाधीश राजेश देवलिया, चिल्ड्रन फ्रेंडली कोर्ट के पीठासीन न्यायाधीश सुनील मालवीय, अपर जिला न्यायाधीश संजय चौहान, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गौरव प्रज्ञानंद तथा अन्य समस्त न्यायाधीश गण, अधिवक्तागण एवं अभियोजन की ओर से उपसंचालक केएस मुवेल, जिला अभियोजन अधिकारी एसएस खींची, अतिरिक्त जिला अभियोजन अधिकारी मनीषा मुवेल सहित समस्त अभियोजन अधिकारी उपस्थित रहे।

मौत पर मिलने वाली दाह संस्कार की राशि भी हड़प ली बांगरोद ग्राम पंचायत ने

कार्रवाई हेतु की शिकायत, पंचायत के नुमाईदे अपने आपको बचाने में जुटे

माही की गूंज, रतलाम।

रतलाम जनपद क्षेत्र की ग्राम पंचायत बांगरोद में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसको सुनने के बाद हर कोई कहने लगा कि भ्रष्टो ने मौत में भी कमाई का जरिया बना लिए है। रतलाम जनपत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को शिकायतकर्ता राहुल धाकड़ ने एक लिखित आवेदन 7 अगस्त को पेश कर बताया कि, मेरे पिता का निधन 18 अगस्त .2019 को हो गया था और संबल योजना के अंतर्गत अंत्येष्टि सहायता हेतु जरूरी कागज ग्राम पंचायत में जमा करवाए थे, लेकिन आज तक राशि नही दी गई। शिकायतकर्ता का कहना है, जब ग्राम प्रधान समरथ पाटीदार से राशि की जानकारी ली गई तो कहा गया कि, संभल योजना में मिलने वाले 2 लाख के साथ 5 हजार रूपए भी मिल जायगे। जबकि अंत्येष्टि सहायता की राशि ग्राम पंचायत को तुरंत नगद उपलब्ध करवाना होती है। मामले की जानकारी पंचायत के पोर्टल से निकली तो पता लगा कि, मृतक सोहनलाल धाकड़ के नाम से मिलने वाली अंत्येष्टि सहायता राशि का भुगतान हो चुका है, लेकिन मृतक के परिवार तक आज तक नही पहुँचा। आरटीआई कार्यकर्ता नारायण धाकड़ ने बताया कि, कलेक्टर कार्यालय में लेबर ईस्पेक्टर ज्योति टोटला जो कि, संबल योजना का कार्य देखती है, उनको मामले की जानकारी दी गई, तो बताया कि ये 5 हजार की राशि आहरण हो गई है और पंचायत के माध्यम से यह राशि त्वरित पात्र व्यक्ति को मिल जाना थी, अगर राशि परिवार को नही मिली हैं तो भ्रष्टाचार हुआ है, अब तक अंत्येष्टि सहायता और संभल योजना के दो लाख क्यो नही मिले इसकी मैं जानकारी जुटाती हु लेबर इंस्पेक्टर ने कहा। शिकायतकर्ता ने मामले में शिकायत कर जाँच करने व शाशन की योजना का लाभ शीघ्र दिलवाने की मांग की है।

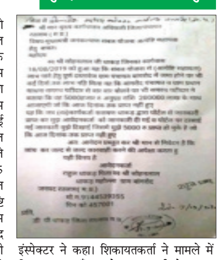

कार्यवाही से बचने के लिए हरकत में आई पंचायत, सहायता राशि देने के लिए कई परिवारों से किया संपर्क

ग्राम पंचायत की इस हरकत का पता लगने के बाद गाव में ग्राम प्रधान ओर सचिव की भारी बदनामी होने लगी है साथ ही कार्यवाही का डर भी सताने लगा तो, ग्राम पंचायत हरकत में आई और कई लोगो से संपर्क कर उनको अंत्येष्टि सहायता राशि देने के लिए व आपसी समझोता करने हेतु संपर्क करने में जुट गई, वही उक्त खुलासे के बाद यह उजागर हो गया कि, ग्राम पंचायत में एक नही कई मृतक के परिवार है, जिनको सहायता राशि का भुगतान होना बताकर शासन से राशि लेकर अपनी जेब भर ली ओर अब भ्रष्टाचार उजागर न हो इसके लिए राशि भुगतान कर बचने की कोशिश की जा रही है।

बलवंतसिंह देवड़ा लाखों लड़कियों को निःशुल्क आत्मरक्षा की ट्रेंनिंग देकर पा चुके है कई सम्मान

गरीब परिवार में जन्में देवडा अपने हालातो के साथ हम्माली तक की पर अपने जीवन को बनाए रखा संघर्षमय, झूठा मामला भी हुआ दर्ज

माही की गूंज रतलाम। राघवेंद्र सिंह डोडिया

कहते हैं कूछ करने का जूनून हो तो मेहनत से रास्ते अपने आप बनते जाते हैं, रतलाम जिले के गांव बर्डिया गोयल मे रहने वाले बलवन्त सिंह देवडा एक किसान के घर में जन्म लेकर, गरीब स्थिति में पालन-पोषण हूआ, आज वो लाखों बेटियों को निशुल्क आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बना चुके हैं। बलवन्त सिंह देवडा कहते हैं कि, बचपन से उन्हें पढाई में कम ओर अखाड़ों में ज्यादा रूची थी, घर की आर्थिक स्थिति ठिक नहीं थी, इस कारण मात्र 12वी कक्षा तक पढाई करने के बाद पढाई छोड़ दी। वही राजस्थान के भीलवाड़ा, बांसवाडा जेसी जगहों पर हम्माली का कार्य भी किया, इस बिच जयदेव शर्मा नाम के कराटे मास्टर से मुलाकात हुई ओर उनको अपना गुरू बनाकर मार्शल आर्ट की दुनिया में कदम रखा, बलवन्त सिंह देवडा खूद ब्लेक बैल्ट धारी होने के बाद जावरा ओर रतलाम मे बच्चों को मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग देने लगे। आए दिन लडकियों ओर महिलाओं के साथ बढ़ते अपराधों ओर अत्याचारों को देखते हुए स्कूलो ओर कॉलेजो मे जाकर लडकियों को निशुल्क आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देना शूरू किया। मास्टर देवडा बताते हैं कि, सन 2007 मे लोग जब मार्शल को जानते नहीं थे, तब मूझे ट्रेनिंग देते देख लोग हंसी उड़ाते थे, धीरे-धीरे लोगों को जागरूक किया और लोग जुडते गए। आज कई खिलाड़ी राज्य स्तरीय, राष्ट्रीय ओर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर प्रदेश व देश का नाम रोशन कर चुके हैं ओर आज तक करीब एक लाख से अधिक लडकियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दे चूके हैं। जिसके लिए उन्हें मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा वर्ल्ड... रिकॉर्ड अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है ओर कोहिनूर जेसे अवार्ड से भी सम्मानित किये जा चूके हैं। रक्षाबंधन जेसे त्योहार पर हजारों लड़कियाँ उन्हें राखियाँ बांधती है। मध्यप्रदेश ही नही राजस्थान, गुजरात के साथ अन्य कई राज्यों में लड़कियों को निशूल्क आत्मरक्षा की ट्रेनिंग दे चुके है। बलवंत सिंह देवड़ा का कहना है कि, मेरा लक्ष्य निर्धारित नही है कि, मैं कितनी ओर लड़कियों को ट्रेनिंग देके बन्द कर दूंगा उनका यह कहना है कि, जब तक हाथ पैर चलते रहेंगे तब तक अपनी बहनों को आत्मरक्षा की ट्रेकिंग देता रहूँगा। देवड़ा ने बताया लॉकडाउन में भी हमने लड़कियों को ऑनलाइन ट्रेनिंग दी, हजारों लड़किया हमसे सोशल मीडिया के माध्यम से जुड़ी हुई है उन्हें किसी भी प्रकार की कोई समस्या आती तो हम उन्हें ट्रेंड करते है कि, उस चुनोती को किस तरह से सामाना करना है, श्री देवड़ा के साथ उनकी एक 7 से 8 लोगों की टीम है जो लड़कियों को आत्मरक्षा की ट्रेनिंग देने में उनका सहयोग करती हैं।

कहते हैं जहाँ अच्छाई है वहां बुराई भी है, मास्टर देवडा के बढ़ते कदमो को रोकने के लिए जनवरी 2017 में उनके उपर छेडछाड के झूठे आरोप लगवाकर उन्हें जेल भेजा गया था। 11 दिन जेल में रहकर मास्टर देवडा ने लडकियों की सुरक्षा के लिए ''में हूँ अपराजिता'' नाम से एक किताब लिख डाली, कई विपरीत परिस्थितियों में मास्टर देवडा ने हार नहीं मानी ओर अपने आप को निर्दोष साबित किया, जंहा माननीय हाई कोर्ट ने ससम्मान दोषमुक्त करार दिया। देवडा ने अपने जीवन का एक मिशन बना लिया है कि, बस लडकियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना ओर मिशन को नाम दिया, मिशन एक्शन आन द स्पाट आगे इस मिशन से लाखो लडकियों को जोड़ने का लक्ष्य है।

अनिवार्य रूप से हो आत्मरक्षा प्रशिक्षण

श्री देवड़ा की मंशा है कि, शासन को जिस तरह से स्कूलो ओर कोलेजो में विषयो को पढ़ाया जाता है, उसी तरह सभी स्कूलों ओर कोलेजो में आत्मरक्षा प्रशिक्षण को अनिवार्य रूप से कर देना चाहिए, जिससे छात्राओं में आत्मविश्वास ओर आत्मनिर्भरता पेदा होगी ओर जो महिलाओं के साथ बढ़ रहे अपराधों को नियंत्रित कीया जा सकता है, साथ ही सरकार को आत्मरक्षा प्रशिक्षण के दौरान उन्हें महिला सुरक्षा संबंधित कानूनी जानकारियाँ भी देनी चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422